R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 108
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 26 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

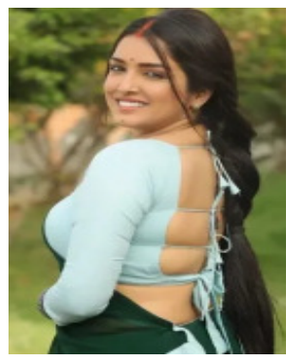

3 हसनपुर कोरारी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन
5 सुशासन के जरिए योजनाओं का लाभ अंतिम ...
7 हिजाब कॉन्ट्रोवर्सी में हुई एक्ट्रेस आम्रपाली ...

5 रुपये की थाली वाली 'अटल कैंटीन' का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली में अब कोई भूखा नहीं सोएगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर दिल्ली सरकार ने 'अटल कैंटीन' योजना का भव्य आगाज किया है। इस योजना के तहत गरीबों और मजदूरों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक और सम्मानजनक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में

पहली 100 अटल कैंटीन की शुरुआत की। आज से 45 कैंटीन (आरके पुरम, जंगपुरा, शालीमार बाग, ग्रेटर कैलाश, राजौरी गार्डन, नरेला और बवाना आदि) में काम शुरू हो गया है। बाकी बची 55 कैंटीन भी आने वाले कुछ ही दिनों में पूरी तरह चालू हो जाएंगी।

इन कैंटीनों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि कामकाजी मजदूरों को समय पर भोजन मिल सके। दोपहर का भोजन, सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक और रात का भोजन शाम 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक मिलेगा।योजना में भ्रष्टाचार रोकने और भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए दिल्ली सरकार ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। खाना लेने के लिए अब मैनुअल कूपन के बजाय डिजिटल टोकन सिस्टम होगा। सभी सेंटरों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग 'दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड' के डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल कैंटीन दिल्ली की आत्मा बनेगी। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर के सबसे कम आय वाले परिवारों को भी सम्मान के साथ भरपेट भोजन मिले।

बिहार के समस्तीपुर में भाजपा सदस्य की गोली मारकर हत्या, थानाध्यक्ष निलंबित

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के समस्तीपुर जिले में एक भाजपा सदस्य की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रूपक साहनी के रूप में हुई है। बुधवार की शाम वह खानपुर थाना क्षेत्र के शादीपुर स्थित अपनी दुकान में मौजूद थे, तभी एक एसयूवी से आए हथियारबंद बदमाशों ने उन पर अंधाधुंध गोली चलाई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस घटना का कारण पुरानी रंजिश को माना जा रहा है। घटना के बाद कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और उन्हें भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।' मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि रूपक साहनी को जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं और उन्होंने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सिंगापुर के हिंदू बोर्ड की कमान महिला नेता के हाथ, सरोजिनी पद्मनाथन बनीं सीईओ

सिंगापुर शहर **(एजेंसी)**। सिंगापुर के हिंदू बोर्ड में मंदिरों और भारतीय संस्कृति के प्रबंधन के लिए एक अनुभवी महिला नियुक्त सिंगापुर, 25 दिसंबर (भाषा) सिंगापुर में प्रमुख हिंदू मंदिरों का प्रबंधन करने वाली एक वैधानिक संस्था, हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड (एचईबी) ने जन सेवा को समर्पित एक अनुभवी नेता को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। सरोजिनी पद्मनाथन को बुधवार को एचईबी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। अपने 40 वर्षों के शानदार करियर में उन्होंने 1990 के दशक में अस्पतालों के पुनर्गठन और कोविड-19 महामारी के दौरान संगठनात्मक मजबूती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय और हेल्थ साइंसेज अथॉरिटी में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जहां उन्होंने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्यबल विकास का नेतृत्व किया। साप्ताहिक 'टैब्लॉइड' (लघुपत्र) 'तबला!' के अनुसार, 57 वर्षीय पद्मनाथन इससे पहले एचईबी की वित्त सदस्य रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने वित्तीय प्रशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और बोर्ड के संचालन से गहरे से जुड़ी रहीं।

इसमें इसके चार मंदिर, एक पुनर्वास केंद्र और धार्मिक कार्यक्रम शामिल हैं। वर्ष 1968 में स्थापित एचईबी ने कहा, ''उनका नेतृत्व अनुभव और मजबूत प्रशासनिक पृष्ठभूमि उन्हें बोर्ड की समुदाय-केंद्रित पहलों का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त बनाती है।'' पद्मनाथन जीवगंथ अरुमुगम का स्थान लेंगी, जो सितंबर 2024 से इस पद पर कार्यरत थे। हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड सिंगापुर के प्रमुख हिंदू मंदिरों - जैसे श्री मरिअम्मन मंदिर और श्री शिवन मंदिर का प्रबंधन करता है। इसके अलावा, यह संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक, धार्मिक और परोपकारी कार्यक्रमों की भी देखरेख करता है।

अटल की 101वीं जयंती पर लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन

पीएम मोदी ने किया महान नायकों को नमन

लखनऊ **(एजेंसी)**। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। मंच पर उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी, महामना मदन मोहन मालवीय और महाराजा बिजली पासी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दुनिया भर को क्रिसमस की भी शुभकामनाएं दीं।

पीएम ने बताया कि जिस 30 एकड़ जमीन पर आज यह भव्य स्मारक खड़ा है, वहां पहले कूड़े का पहाड़ हुआ करता था। उन्होंने इस बदलाव के लिए सीएम योगी और उनकी टीम की सराहना की।

पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले केवल 25 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 95 करोड़ हो गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश में सिर्फ 'गरीबी हटाओ' जैसे नारों को सुशासन मान लिया गया था, लेकिन अटल जी ने इसे जमीन पर उतारा। उन्होंने

कहा, 'आज जिस डिजिटल पहचान की चर्चा पूरी दुनिया में है, उसकी नींव अटल जी की सरकार ने ही रखी थी।'

पीएम ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने 'दो विधान और दो निशान' का कड़ा विरोध किया था और भाजपा सरकार को अनुच्छेद 370 की दीवार को गिराने का सौभाग्य मिला। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव, भगवान बिरसा मुंडा और महाराजा बिजली पासी के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार उन नायकों को सम्मान दे रही है जिन्हें दशकों तक नजरअंदाज किया गया। यह लखनऊ में स्थित एक ऐसा परिसर है जहां अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं लगाई गई हैं। इसमें एक अत्याधुनिक म्यूजियम भी है जो भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक यात्रा को दर्शाता है।

अटल जयंती : श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री बोले- अटलजी का जीवन राष्ट्रसेवा और सुशासन का मिसाल

रायपुर **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण और सुशासन को समर्पित रहा। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याण के व्यापक दृष्टिकोण के कारण वे देशवासियों के हृदय

में सदैव अमर रहेंगे। वे केवल महान राजनेता ही नहीं, बल्कि संवेदनशील कवि और करुणामय जननायक थे, जिन्होंने राजनीति को जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटलजी के नेतृत्व में देश ने विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई दिशा प्राप्त की। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने का उनका संकल्प आज भी शासन-नीतियों का मार्गदर्शक है। यही भावना छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों और निर्णयों का आधार है। साय ने कहा कि राज्य में सुशासन को और सशक्त बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार, पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध सेवाओं की आपूर्ति और जनविश्वास की पुनर्स्थापना के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह संपूर्ण यात्रा अटलजी के विचारों और आदर्शों से प्रेरित है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अटल बिहारी वाजपेयी के ईमानदारी, संवेदनशीलता, संवाद और समावेशी विकास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ तथा विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें। इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव भी उपस्थित रहे।

स्टालिन का बड़ा आरोप : भाजपा राज में 74 प्रतिशत बढ़े नफरती भाषण, देश को गंभीर खतरा

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में कथित तौर पर 74 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि यह आगे आने वाले गंभीर खतरे का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्रिसमस समारोह में भाग लेने के बावजूद, कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूहों द्वारा किए गए हमले देश को एक चिंताजनक संदेश देते हैं। स्टालिन ने पोस्ट किया कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह, बहुसंख्यक होने के नाम पर, हमले और दंगे करते हैं, जबकि प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे होते हैं, तो यह देश को एक चिंताजनक संदेश देता है।

उन्होंने जबलपुर और रायपुर में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि सद्भाव को महत्व देने वालों के लिए यह अस्वीकार्य है। स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। केंद्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 प्रतिशत की कथित वृद्धि आगे आने वाले गंभीर खतरे का संकेत देती है। इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाई समूहों पर अंकुश लगाना एक साझा और अत्यावश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारत और विश्व के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं और साथ ही भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, भारत रत्न मदन मोहन मालवीय और महाराजा बिजली पासी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। लखनऊ में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के इस दिन 25 दिसंबर को शहर प्रेरणा के एक नए स्रोत का साक्षी बन रहा है।

मुखर्जी, उपाध्याय और अटल जी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे पीएम मोदी

अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म-शताब्दी पर बोले मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन महान नेताओं- पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नयी दिशा दी और उनकी विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर कहे गए शब्द केवल आशा की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण, गहरे विश्वास और दृढ़ संकल्प को दर्शाते थे।

उन्होंने कहा, ''जब वाजपेयी ने अपनी कविता में 'अंधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा' की बात कही थी, तो वह भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक था- एक ऐसा दृष्टिकोण, जो आज विकसित भारत के रूप में साकार होता दिख रहा है।'' योगी ने कहा कि अटल जी ने कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक और भारत के सच्चे सपूत के रूप में जो नेतृत्व दिया, उसे हर भारतवासी आज विकास के नए रूप में देख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' समारोह के मुख्य अतिथि-हम सबके मार्गदर्शक, अमृत काल के सारथी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैं उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हैं।'' इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंगवस्त्र भेंट कर तथा अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

अरावली में खनन पर पूर्ण रोक से कांग्रेस परेशान : पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस द्वारा लगाए गए उन आरोपों को खारिज कर दिया कि पहाड़ियों की नयी परिभाषा के तहत अरावली के 90इ से अधिक हिस्से को संरक्षित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्षी पार्टी इसलिए ''घबराई हुई'' है क्योंकि सरकार ने अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पर्वतमाला की संशोधित परिभाषा के तहत अरावली पर्वतमाला के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को संरक्षित नहीं किया जाएगा और इससे खनन और अन्य गतिविधियों के लिए रास्ता खुल जाएगा।

यादव ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की एक पोस्ट का जवाब देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''एफएसआई द्वारा किए गए किसी भी अध्ययन में आपकी कही गई बातों का कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन मुझे पता है कि एफएसआई द्वारा स्पष्ट खंडन जारी करने के बावजूद आप ये झूठ क्यों फैला रहे हैं। शायद आपकी 'पर्यावरणविद् वाली छवि' तब विश्वसनीय साबित होती जब आप अपने पार्टी सहयोगी अशोक गहलोत से पूछते कि अरावली पर्वतमाला को किसने नष्ट किया।'' यादव ने निशाना साधते हुए लिखा, ''आप और आपके गुट के लोग इसलिए घबराए हुए हैं क्योंकि हमने गुजरात से दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। हम आपको, माननीय गहलोत को या आपकी पार्टी के किसी भी सदस्य को पवित्र अरावली पर्वतमाला को फिर कभी लूटने नहीं देंगे। आपकी पार्टी ने जो कुछ भी नष्ट किया है, उसके पुनर्निर्माण के लिए हम काम करते रहेंगे।'' जयराम रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा था कि ''मोदी सरकार द्वारा अरावली की जो नई परिभाषा दी गई है, वह तमाम विशेषज्ञों की राय के खिलाफ है, साथ ही खतरनाक और विनाशकारी भी है।''

उन्होंने कहा था, ''भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) के प्रामाणिक आंकड़ों के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊंची हैं।'' रमेश ने लिखा कि यदि एफएसआई द्वारा चिह्नित सभी अरावली पहाड़ियों को देखा जाए, तो उनमें से एक प्रतिशत भी 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली नहीं है। एफएसआई का स्पष्ट मत है-और वह पूरी तरह उचित भी है-कि ऊंचाई के आधार पर सीमाएं तय करना संदिग्ध है, और ऊंचाई की परवाह किए बिना अरावली की पूरी पर्वतमाला को संरक्षण मिलना चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से इसका मतलब यह है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से कहीं अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं होगा और खनन, रियल एस्टेट तथा अन्य गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है, जो पहले से ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त इस पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक नुकसान पहुंचाएगा।

उन्नाव रेप कांड : राजभर के बयान पर भड़कीं पीड़िता, सीएम योगी से की बर्खास्तगी की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उन्नाव रेप कांड के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली सशर्त जमानत के बाद विवाद गहराता जा रहा है। अब उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के एक विवादित बयान देकर इस मामले में आग में घी डालने का काम किया है। जब दिल्ली पुलिस द्वारा पीड़िता को इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन के दौरान घसीटकर हटाए जाने की तस्वीरें सामने आईं, तो मंत्री ओपी राजभर से इस पर सवाल पूछा गया। राजभर ने हंसते हुए जवाब दिया, 'इंडिया गेट? घर तो उनका उन्नाव है।' उन्होंने आगे दलील दी कि कोर्ट ने सेंगर को परिवार से 5 किमी दूर रहने का आदेश दिया है, इसलिए असुरक्षित होने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

मंत्री के इस मजाकिया लहजे पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राजभर को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की है। 'इंडिया टुडे' से बातचीत में पीड़िता ने कहा, 'राजभर बयान देते समय हंस रहे थे। उन्हें एक रेप के आरोपी का पक्ष लेने पर शर्म आनी चाहिए। मैं मुख्यमंत्री जी से अपील करती हूं कि ऐसे व्यक्ति को तुरंत मंत्रालय से हटाया जाए।' बुधवार को पीड़िता और उसकी मां ने दिल्ली में कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात कर अपनी सुरक्षा पर चिंता जताई। इस बीच, सीबीआई ने साफ कर दिया है कि वह कुलदीप सेंगर की सजा निलंबित करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर को 15 लाख के बॉन्ड पर जमानत दी है, लेकिन वह अभी जेल में ही रहेगा क्योंकि पीड़िता के पिता की कस्टोडियल डेथ मामले में उसे मिली 10 साल की सजा अभी बरकरार है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को रहा समर्पित-कल्पना सोनकर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस (सुशासन दिवस) पर उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया तथा अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

ज्ञात हो कि अध्यक्ष जिला पंचायत, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित जनपद स्तरीय निबंध, एकल काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में निबंध की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धर्मा देवी इंटर कॉलेज के छात्र हिमांशु गौतम को पुरस्कार धनराशि 05 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने राजकीय इंटर कॉलेज पूरब शरीरा के छात्र अश्विनी कुमार को 03 हजार एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले आदर्श ग्राम सभा इंटर कॉलेज चरवा के छात्र सचिन को 02 हजार प्रदान किया गया। इसी प्रकार एकल काव्य पाठ की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धर्मा देवी इंटर कॉलेज के छात्र गोलू कुमार को 10 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी की छात्रा शोभा पाल को 05 हजार एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मानसिंह इंटर कॉलेज की छात्रा राजनंदिनी को 2500 रुपए प्रदान किया गया तथा भाषण की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले महामाया राजकीय महाविद्यालय के छात्र प्रियांशु यादव को 10 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले महामाया राजकीय महाविद्यालय के छात्र प्रिंस कुमार को 05 हजार एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भवंस मेहता महाविद्यालय के छात्र शिवशंकर सिंह को 2500 रुपए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने काव्य पाठ के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उनके द्वारा स्थापित सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डाला।

अध्यक्ष जिला पंचायत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को समर्पित रहा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति को मिले, ऐसी उनकी सोच थी। अटल बिहारी वाजपेई जी ने समाज के सभी व्यक्तियों के कल्याण के लिए कार्य किया। उन्होंने अपने काव्य पाठ के माध्यम से लोगों को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल व मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुमार कुशवाहा सहित आदि उपस्थित रहें।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मो. यूनुस का हिंदू समुदाय के युवाओं ने जलाया पुतला

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवनगर थाना के डिंडई चौराहे पर ब हिन्दू संगठनों से जुड़े लोगों ने बांग्लादेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और वहां अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मो. यूनुस का पुतला फूंककर आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के साथ हो रही घटनाओं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संज्ञान लिया जाना चाहिए। उन्होंने भारत सरकार से इस मुद्दे पर कूटनीतिक हस्तक्षेप की भी मांग की। जुलूस की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस प्रशासन ने भी लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।प्रशासन की ओर से कहा गया कि कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी को भी शांति भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बांग्लादेश में हो रहे हिंदू उत्पीड़न को अब इस देश के युवा बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सकल हिंदू सम्मेलन में देश के इतिहास पर की चर्चा

कौशाम्बी। मंझनपुर में रामलीला मैदान में सकल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदू समाज के गौरवशाली इतिहास पर चर्चा की गई। स्वदेशी, स्वभाषा और स्वभूषा के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। साथ ही लोगों से पर्यावरण संरक्षण के साथ ही भारतीय परंपराओं व सभ्यताओं को बचाने की बात कही गई। मुख्य वक्ता पवन कुमार ने आने वाली पीढ़ियों तक अपने सांस्कृतिक मूल्यों और गौरवशाली विरासत को पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता राजमणि तिवारी ने की जबकि संचालन शेखर पांडेय ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह सुबेदार, जिला प्रचारक शिव प्रसाद, कृष्ण समेत तमाम लोग मौजूद रहे। समापन पर भारत माता की आरती और प्रसाद वितरण के अलावा जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया।

फाफामऊ विधानसभा में विशेष पुनरीक्षण अभियान 26 व 27 को

नए मतदाताओं से फॉर्म-6 भरने की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। विधानसभा क्षेत्र संख्या 254 के अंतर्गत अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं एवं कतिपय कारणों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सम्मिलित होने से वंचित अर्ह व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 26 व 27 दिसंबर 2025 को रूदापुर नगर निगम जोन-7 कार्यालय के अंतर्गत संचालित होगा।इस दौरान सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक उपस्थित रहेंगे और अधिक से अधिक फॉर्म-6 एकत्र कर उन्हें डिजिटाइज करने का कार्य करेंगे। अभियान के पर्यवेक्षण के लिए 38 सुपरवाइजरों के साथ ही 13 अन्य अधिकारियों की तैनाती की गई है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए फाफामऊ जोन के जोनल अधिकारी, नगर निगम, कोटेदार, ग्राम प्रधान, नगर पंचायत लालगोपालगंज सहित विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ ही राजनीतिक दलों से भी अभियान के प्रचार में सहयोग की अपेक्षा की गई है।प्रशासन ने आम जनमानस से अपील की है कि वे अपने आसपास के अर्ह व्यक्तियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें और फॉर्म-6 भरवाने में सहयोग प्रदान करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रह जाए। उक्त जानकारी हीरालाल सैनी अपर जिला मजिस्ट्रेट तृतीय ने दी है।

कड़ा के उर्स मेले में देखने को मिली गंगा जमुना तहजीब

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। ख्वाजा कड़क शाह अब्दाल के 731वें उर्स मेले में गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल देखने को मिली। उर्स में जियारत के लिए दूर-दराज से पहुंचे जायरीनों की सेवा में गंगा गोमती संस्थान कड़ा के अध्यक्ष विनय पांडे की तरफ से चाय, शरबत, पानी और नाश्ते का निशुल्क स्टॉल लगाया गया है।

ज्ञात हो कि मेले में पहुंचे जायरीनों ने बताया कि कड़ा की पहचान हमेशा से आपसी भाईचारे और सौहार्द की रही है। उर्स के दौरान इस तरह की सेवा भावना ने सभी का दिल जीत लिया। गंगा गोमती संस्थान के अध्यक्ष विनय पांडे ने कहा कि कड़ा में हिंदू-मुस्लिम एकता की परंपरा सदियों पुरानी है और इसी भावना के साथ हर वर्ष उर्स मेले में आने वाले जायरीनों के लिए सेवा कार्य किया जाता है।

फरीदगंज निवासी महमूद ने विनय पांडे के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल हिंदू-मुस्लिम एकता का सशक्त प्रतीक है। उर्स मेले में में इस तरह की सौहार्दपूर्ण तस्वीरें कड़ा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और भाईचारे को और मजबूत करती हैं।

अवैध अस्पतालों की करतूत अबॉर्शन कर ससुर खदेरी नदी पुल के नीचे फेका भ्रूण

अस्पतालों की कतार के बीच घटना, जांच की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। किसी युवती का अबॉर्शन करने के बाद उसका भ्रूण पिपरी थाना क्षेत्र के मखऊपुर गांव स्थित ससुर खदेरी नदी के पुल के नीचे अस्पताल संचालकों ने फेंक दिया है शनिवार को भ्रूण देखे जाने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। भ्रूण मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पिपरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

ज्ञात हो कि स्थानीय लोगों के अनुसार यह घटना बीती रात की बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात अस्पताल संचालक द्वारा भ्रूण हत्या कर शव को पुल के नीचे फेंक दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जब की पेट में पल रहे बच्चे की जांच करना कानूनन अपराध है लेकिन उसके बाद पेट के बच्चे की जांच की गई भ्रूण हत्या कर दी गई

ग्रामीणों का कहना है कि घटनास्थल के आसपास कई निजी अस्पताल और नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं, जिससे यह घटना और भी गंभीर हो जाती है। लोगों को आशंका है कि कहीं अवैध रूप से लिंग परीक्षण या भ्रूण हत्या तो नहीं कराई जा रही है। क्षेत्र में अवैध अस्पतालों की भरमार होने के कारण लोग इस घटना को किसी बड़े अवैध नेटवर्क से भी जोड़कर देख रहे हैं घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं और लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आसपास संचालित सभी अस्पतालों और नर्सिंग होम का बारीकी से निरीक्षण कराया जाए। लोगों का आरोप है कि कुछ अस्पताल अवैध तरीके से संचालित हो रहे हैं, जो आए दिन लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं और इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं।

पिपरी थाना पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। साथ ही पुलिस आसपास के अस्पतालों और संदिग्ध गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

आल आउट के तहत पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु/ वाहनो का किया चेकिंग

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विश्वजीत सौरयान, क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा 'आपरेशन आल आउट' के तहत सुरक्षा एवं सतर्कता को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु थाना उसका बाजार पुलिस के साथ कस्बा उसका बाजार में संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु/वाहनो की चेकिंग किया गया । इस अभियान का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है । इस दौरान लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास की गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें । इस दौरान प्रभारी निरीक्षक उसका बाजार व सिद्धार्थनगर मय पुलिस बल के साथ मौजूद रहें।

एक नई नागिन एक नया युद्ध एक नए युग का सूत्रपात लौट रही है नागिन

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। नागिन कब आएगी? इस सवाल ने पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले रखा था जिसका जवाब अब मिल चुका है। तीन साल के लंबे इंतजार के बाद भारत की सबसे प्रतिष्ठित फैंटेसी गाथा लौट आई है। जियोस्टार और एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स 27 दिसंबर 2025 को नागिन 7 पेश कर रहे हैं। साल का अंत एक धमाकेदार अंदाज में करते हुए, 2025 का यह सबसे बड़ा फैंटेसी ड्रामा स्क्रीन पर दस्तक दे रहा है, जिसमें प्रियंका चाहर चौधरी टेलीविजन पर सबसे प्रतीक्षित वापसी कर रही हैं। सर्प रानी की पौराणिक विरासत को संभालते हुए, वह सिंहासन पर दावा पेश करेंगी और नागिन-वर्स को इसके अगले ऐतिहासिक अध्याय में ले जाएंगी। प्योर 'सर्प-टेनमेंट' के साथ भारतीय प्राइमटाइम को हिला देने के लिए तैयार, यह सीजन नागिन को उसके अब तक के सबसे खतरनाक मुकाबले में झोंक देगा एक ऐसा युद्ध जो पवित्र महाकुंभ के तट पर छिड़ेगा। जब एक घातक विषैली आपदा पूरे देश में फैलती है, तब नागिन को उस सच का पता चलता है जो सब कुछ बदल देता हैः वह अनंतकुल की चुनी हुई उत्तराधिकारी है, जिसका भारत को पूर्ण विनाश से बचाने के लिए उदय होना है। यह लड़ाई अब सिर्फ व्यक्तिगत नहीं है यह पौराणिक, राष्ट्रीय और अजेय है। प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में और नामिक पॉल एक महत्वपूर्ण चरित्र में नजर आएंगे। नागिन 7 का प्रीमियर 27 दिसंबर को होगा और यह हर शनिवार-रविवार रात 8:00 बजे केवल कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा। आलोक जैन जियोस्टार ने कहा नागिन लंबे समय से टेलीविजन से ऊपर उठकर एक सांस्कृतिक घटना बन चुका है। नागिन 7 के साथ हम जियोस्टार में भारत की सबसे प्रतिष्ठित फैंटेसी फ्रेंचाइजी में से एक को वापस लाने पर गर्व महसूस कर रहे हैं जिसे आज के दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आई-असिस्टेड विजुअल डिजाइन और एडवांस वीएफएक्स के साथ तैयार किया गया है।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिन उत्साह पूर्वक मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्म दिवस हर्षो उल्लास के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा के सभागार में मनाया गया तथा प्रधानमंत्री के द्वारा देश के प्रति किए गए कार्य एवं उनकी विचारधारा पर प्रकाश डाला गया उक्त कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण डॉ अभिषेक कुमार नाग अधीक्षक, डॉक्टर विपिन कुमार यती, डॉक्टर आनंद स्वरूप, अरविंद यादव आई ओ एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे।

औराई में विराट हिन्दू सम्मलेन संपन्न त्रिलोकपुर स्थित रविदास कुटीया पर हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

औराई, भदोही। क्षेत्र के त्रिलोकपुर में स्थित रविदास कुटिया में गुरुवार को विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां पर मुख्य अतिथि जगदगुरु स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती और विभाग कार्यवाह सच्चिदानंद ने भारत मां के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित किया। सम्मेलन में एक विद्यालय के छात्रों ने राष्ट्र गीत और देशभक्ति गीत से अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात सम्मेलन में आये हुए सभी अतिथियों का औराई विधायक दीनानाथ भास्कर और तमाम लोगों ने माल्यार्पण कर अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। सम्मेलन में सामूहिक हवन का भी आयोजन हुआ।

मुख्य अतिथि काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के मौके पर देश भर में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जो कहीं न कहीं हिन्दू जागरण के रूप में देखा जा रहा है, आज देश का 110 करोड़ हिन्दू एकजुट हो रहा है और विधर्मियों को अब हिन्दू के एकता का अहसास हो रहा है। आज देश की सेना दुश्मनों को मुहतोड़ जवाब दे रही है, कहा कि परिवार को संस्कारवान बनाना जरूरी है। परिवार में माता-पिता और वृद्ध का सम्मान करें और पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब हिन्दू एकजुट नहीं होगा ऐसे ही विधर्मी हमें दुःख देते रहेंगे। इसलिए भारतीय संस्कृति, संस्कार और आयुर्वेद को अपनाने की बात कही। साथ में बेटियों को संस्कार के साथ साथ अपनी सुरक्षा के लिए भी सक्रिय रहना होगा। यदि हिन्दू केवल निस्वार्थ में रहकर मौन रहता है और राष्ट्रहित और धर्म पर ध्यान नहीं देता तो सही नहीं है। सभी लोग शास्त्र के साथ शास्त्र भी रखे क्योंकि विधर्मियो को मुहतोड़ जवाब देने के लिए शस्त्र भी जरूरी है। पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यदि हिन्दू आपस में बटकर जाति में उलझ जायेगा तो आने वाले कुछ वर्षों में उसका बुरा परिणाम उसके संतान को भोगना पडेगा। इसलिए सभी हिन्दू एकजुटता का परिचय दे देश के विरोधियों और अन्य देशो की क्या हिम्मत जो भारत के ऊपर कुदृष्टी डाल सके।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता सच्चिदानंद ने संघ के स्थापना और इतिहास के बारे में विस्तार से बताय कि भारत के लोग आपसी संगठन से और मजबूत हो सकते है, ज़ब समाज संगठित और अनुशासित नहीं रहेगा तो उसका पतन निश्चित है। सभी लोग जाति पाति को भूलकर राष्ट्रहित को प्राथमिक देने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती और प्रसाद वितरण किया गया।

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष श्यामलाल गौतम, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, भाजपा के जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, भदोही के पूर्व विधायक रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, ज़िला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, मनोज मिश्रा, नन्दलाल पाण्डेय, अर्चना पटेल समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धान खरीद में अव्यवस्था पर किसान यूनियन का आक्रोश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने जनपद में धान खरीद की बदहाल व्यवस्था को लेकर कड़ा विरोध जताया है। यूनियन के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पिपरी गांव में जुटे किसानों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। किसानों की समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। गुरुवार को पिपरी गांव में आयोजित पंचायत में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष चंदू तिवारी ने बताया कि चायल तहसील क्षेत्र में धान क्रय केंद्रों की संख्या कम होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

2300 रुपये प्रति कुंतल के सरकारी समर्थन मूल्य के बावजूद किसान 1500 से 1600 रुपये में धान बेचने को मजबूर हैं, जिससे सरकार के किसानों की आय दोगुनी के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। प्रयागराज एयरपोर्ट के नाम पर हुए भूमि अधिग्रहण का मुआवजा रेट के हिसाब से लोगों को नहीं मिला है। मांग की गई कि बिना मुआवजा दिए किसी भी किसान का रजिस्ट्रेशन न काटा जाए। इसके अलावा पिपरी गांव में ग्राम सभा की जमीन पर रास्ता न होने से किसानों और मजदूरों को दूर-दराज से आवागमन करना पड़ रहा है। यूनियन ने ग्राम सभा में एक रास्ता (कट) बनाए जाने की मांग की है। चकबंदी लेखपाल पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि लेखपाल द्वारा दलालों के माध्यम से धन उगाही की जा रही है, जिससे किसानों को उनका हक नहीं मिल पा रहा। किसान यूनियन ने संबंधित लेखपाल को हटाकर निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजन उपाध्याय, मोहम्मद शाहिद, पंचम लाल सेन, सनी सिंह, आशीष शुक्ला और शनि चंद्र मिश्रा आदि किसान मौजूद रहे।

हसनपुर कोरारी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन, समाज को एकजुट रहने का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के खंड बहरिया मंडल अंतर्गत हसनपुर कोरारी में खंड कार्यवाह अजय भास्कर के नेतृत्व में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परम पूज्य जगतगुरु महाराज राजकुमारानंद जी रहे। सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई।अपने उद्बोधन में जगतगुरु महाराज ने कहा कि हिंदू समाज भारत की गौरवशाली विरासत को बनाए रखने के साथ उसकी प्रभुता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने की सीख देता है।

हिंदू धर्म 'अहिंसा परमो धर्म' के सिद्धांत पर चलते हुए सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि समाज में समरसता और एकता की भावना जागृत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि आने वाले समय में कई बड़ी चुनौतियां सामने होंगी।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिव प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक सामान्य स्वयंसेवक भी बड़े-बड़े कार्यों की योजना बनाने में सक्षम होता है। संघ छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को एकजुट करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने पंच परिवर्तन की अवधारणा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कहा कि आज देश का नेतृत्व एक स्वयंसेवक कर रहा है और भारत समर्थ एवं सशक्त बनकर आगे बढ़ रहा है, जिससे हर हिंदू गर्व के साथ अपनी पहचान कर सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वेद प्रकाश मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापनकी घोषणा कीसम्मेलन के संयोजक त्र्यंबकमिश्रा, अजय प्रताप सिंह, पद्मेंद्र, शुभम मिश्रा रहे। सह संयोजक के रूप में वीर सिंह, लवलेशमिश्रा ग्राम प्रधान, भूपेंद्र प्रताप सिंह, राजेश बहादुर सिंह, आचार्य अनूप, शोभित, अंकित सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

साहित्य के सूर्य और शब्दों के सागर थे अटल

भारत रत्न, राष्ट्र कवि पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेई जी के जन्म शताब्दी पर किया गया महाकुंभ की महा गाथा एवं जासूस बब्बन बिहारी का पुस्तक विमोचन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कलर्स आफ कल्चरल एंड आर्ट फाउंडेशन प्रयागराज के द्वारा पाम रिजॉर्ट रॉयल गार्डन कटरा के सभागार में भारत रत्न राष्ट्र कवि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रयागराज प्रदर्शनी महाकुंभ की महागाथा और जासूस बब्बन बिहारी पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी को श्रद्धांजलि दी गई कार्यक्रम का शुभारंभ किया दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम गीत गायन के साथ किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर एवं मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने पुस्तक का विमोचन किया और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर दर्शन डालते हुए कहा कि पंडित अटल बिहारी वाजपेई साहित्य के सूर्य और शब्दों के सागर थे उन्होंने

अपनी कविता के माध्यम से राष्ट्र को एक नई चेतना दी और उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया।

इस अवसर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा प्रयाग पुस्तक मेला के प्रभारी मनीष गर्ग , ने कहा कि अटल जी स्वयं में मां भारती के रत्न थे।

इसके पूर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष गुप्ता एवं संयोजक राहुल सागर ने आए हुए सभी अतिथि गणों का अंगवस्त्रम पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और पुस्तक के लेखक अंशू दीप धुसिंया और सह प्रशासन संजीव कुमार एवं डिजाइनर आलोक कुमार और प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना अंकिता मौर्य और सुफियान बैंड एवं के डी ग्रुप के सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश केसरवानी एवं कीर्ति साहू ने किया, कार्यक्रम के सह संयोजक उज्जवल जायसवाल रहे कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

इस अवसर पार्षद मुकेश लारा, रितेश मिश्रा, अधिवक्ता सुशील जैन, अर्शशर्मा, यस्मीत सागर, किशन जायसवाल, सिपाही लाल यादव, मनोज पांडे, अवनीश तिवारी, शत्रुघ्न जायसवाल, अजय अग्रहरि दीपक केसरवानी, लवकुश केसरवानी, कल्पना शर्मा हर्ष केसरवानी एवं फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुशासन दिवस एवं विकसित भारत -जी-राम-जी पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एनलाइटनमेंट इंडियन स्कूल, सरायपिथा, धनुपुर, हंडिया, प्रयागराज के परिसर में 'सुशासन दिवस और वीबी-जी-राम-जी' विषयक एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख श्रीमती ज्योति यादव ने अपने उद्बोधन में छात्रों, शिक्षकों तथा ग्रामवासियों को सुशासन दिवस के महत्व एवं वीबी-जी-राम-जी की अवधारणा के बारे में विस्तृत एवं मूल्यवान जानकारी प्रदान की। मुख्य वक्ता राम बहादुर, सहायक शिक्षक ने भी सुशासन दिवस एवं वीबी-जी-राम-जी पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने अपने प्रभावशाली भाषण से उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण के रूप में हरबिंद कुमार यादव लोकगीत पार्टी, प्रयागराज द्वारा मधुर लोकगीतों की प्रस्तुति तथा जादूगर रविन्द्र कुमार एंड पार्टी, प्रयागराज द्वारा मनोरंजक जादू का शो आयोजित किया गया, जिसने सभी दर्शकों को आनन्दित एवं मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम मेसर्स एन0ए0 मीडिया के माध्यम से सीबीसी, प्रयागराज के बलमुकुंद सिंह, सुनील कुमार एवं हरिलाल यादव के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट की जिला कार्यकारिणी का गठन, समुदाय में उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जनपद के मौर्या लॉज में संगठन की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में नीरज कुमार श्रीवास्तव को सिद्धार्थनगर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।नई कार्यकारिणी में अन्य प्रमुख नियुक्तियां इस प्रकार हैं रवि प्रकाश श्रीवास्तव - जिला संयोजक पंकज श्रीवास्तव - महामंत्री राकेश कुमार - उपाध्यक्ष सचिन कुमार श्रीवास्तव - सचिव कार्यक्रम में ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य दुर्गेश श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, जिला सचिव राजेश श्रीवास्तव, अरूण श्रीवास्तव, मंडल उपाध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव, सलाहकार समिति के सदस्य नवीन श्रीवास्तव तथा बस्ती जनपद के जिलाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव विक्रान्त श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।वही कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन की एकता बनाये रखना सर्वोपरि है सभी लोग एक दूसरे के सुख दुख के साथी बने।वही उन्होंने कहा कि यह गठन कायस्थ समाज की सेवा और संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के खास बच्चों ने किया रागगीरी कैलेंडर का विमोचन

कथक की कहानी बताने वाला अनोखा कैलेंडर लगातार 11 साल से प्रकाशित हो रहा है कैलेंडर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर भारत के बेहद लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य कथक पर आधारिक कैलेंडर को आज चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के खास बच्चों ने रिलीज किया। इस कैलेंडर को रागगीरी संस्था ने प्रभा खेतान फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया है। ये रागगीरी के कैलेंडर के प्रकाशन का लगातार 11वां साल है। चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के सचिव कर्नल आरके काक और जाने-माने तबला वादक डॉक्टर विनोद कुमार मिश्र ने बच्चों के साथ कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर को जाने-माने छायाकार मनीष खत्री ने डिजाइन किया है।

साल 2026 के कैलेंडर में बनारस की महान कथक नृत्यांगना सितारा देवी से लेकर पंडित बिरजू महाराज, पंडित दुर्गा लाल, पंडित राजेंद्र गंगानी, श्रीमती कुमुदिनी लखिया से लेकर शोवना नारायण और प्रेरणा श्रीमाली जैसे दिग्गज कलाकारों को शामिल किया गया है। इस कैलेंडर का मकसद शास्त्रीय कलाओं के प्रति आज की पीढ़ी को जागरूक करना है। जनवरी से लेकर दिसंबर तक सभी महीनों में कथक को लेकर बुनियादी जानकारी शामिल की गई है। इसमें कथक के इतिहास, पहनावे से लेकर इसके साहित्य तक की जानकारी को जगह दी गई है। रागगीरी संस्था इससे पहले शास्त्रीय संगीत के अलग-अलग पहलुओं पर कैलेंडर प्रकाशित कर चुकी है।

मुविवि में अटल जन्मोत्सव पर माल्यार्पण समारोह

प्रेरणा देती है अटल बिहारी की विरासत-प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन पीठ के तत्वावधान में भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के 101वें जन्मोत्सव के अवसर पर बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागह में स्थापित अटल बिहारी बाजपेई के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

कड़ाके की ठंड और कोहरे के मध्य आयोजित माल्यार्पण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई भारत माता के सच्चे सपूत थे। उनकी विरासत हमें प्रेरणा देती है। अटल जी की जयंती पर आज हम उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अटल जी के आदर्शों और विचारों को अपनाकर हम राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। कुलपति का स्वागत प्रोफेसर आनंदानंद त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ रविंद्र प्रताप सिंह ने अटल जी की कविताओं का एकल काव्य पाठ किया। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने माल्यार्पण समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म शताब्दी पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के अम्बेडकर सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी की 101वीं जयन्ती/जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर लखनऊ में आयोजित मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उदघाटन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में देखा गया।

पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी जी की 101वीं जयन्ती/जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर जनपद स्तर पर अम्बेडकर सभागार में भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी जी के सुशासन, सुशासन के महत्व, उनके जीवन पर आधारित निबन्ध लेखन, भाषण, एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के विजेताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम

सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मा0 सांसद डुमरियागंज ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुये पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के सुशासन, चुनौतियों एवं दृढ़ संकल्प के बारे में अवगत कराया गया। उन्होने कहा कि अटल विहारी वाजपेयी जी के आदर्शों का अनुशरण कर अपने जीवन में समाहित करना चाहिए। उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर अच्छा नागरिक बनना चाहिए और देश के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का देश/प्रदेश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उसमें हम सभी को सहभागी बनना चाहिए। सुशासन के संकल्प को लेकर आगे बढ़ना चाहिए। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी एवं सुशासन विषय पर कक्षा 8 से 12 तक निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आकाश कनौजिया को 5000 एवं द्वितीय स्थान पूजा शुक्ला को 3000 रतन सेन इ0का0 बांसी एवं तृतीय स्थान रा0क0उ0मा0 मोहन कोला सुधांशु अग्रहरी को 2000 का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्नातक/परास्नातक वर्ग में भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी की उपलब्धियों एवं सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की प्रथम स्थान निकिता को 10000, द्वितीय स्थान शिवानी जायसवाल को 5000 तथा रा0 महाविद्यालय पचमोहनी खुशी मिश्रा को 2500 का चेक देकर सम्मानित किया गया। युवा छात्र/छात्राओं के मध्य भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रथम स्थान कुशल त्रिपाठी को 10000, द्वितीय स्थान निकिता को 5000 तथा तृतीय स्थान अतुल उपाध्याय को 2500 का चेक देकर सम्मानित किया गया।

एक सोंच फाउंडेशन ने विंटर डोनेशन अभियान का दसवा साल पूरा, जरुरत मंदो को बाँटे गर्म कपड़े एवं मोज़े, जूते, कम्बल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सामाजिक संस्था 'एक सोंच फाउंडेशन'के संस्थापक सैयद मोहम्मद अब्बास हुसैन एडवोकेट के नेतृत्व में बीती रात टीम के साथियों ने शहर के दरगाह हजरत अब्बास दरियाबाद, नुरुल्ला रोड, मुस्तफा कम्पलेक्स, प्रयागराज रेलवे स्टेशन, चर्च सिविल लाइन, हनुमान मंदिर, बस अड्डा, मेडिकल कालेज, संगम क्षेत्र आदि सहित दर्जनों स्थानों पर खुले आसमान में सो रहे लोंगो को गर्म कपड़े, मोज़े, जूते, स्वेटर, जैकेट, कम्बल आदि सामग्री वितरित किया। संस्था के संस्थापक सैयद अब्बास हुसैन के अनुसार स्थापना के दस वर्ष पूरे हो चुके हैं। हर वर्ष की भांति इस साल भी जरुरत मंदो की मदद जारी है। यह संस्था उन्होंने अपने छात्र जीवन में सहपाथियों के साथ मिलकर बनाई थी। आज वकालत के पेशे में आने के बाद सामाजिक सहयोग की भावना से काम जारी है। सहयोग करने वालों में प्रमुख रुप से बसर एजाज, करन मौर्य, मो हमद, अली अब्बास, फराजखान, शिवेंद्र त्रिपाठी, आदर्श जायसवाल, नासिर हुसैन, अलोक त्रिपाठी, शहीद अंसारी, अरश अंसारी, अफजल अंसारी, सैफ सिद्दीकी, अहमद नवाज़, खुर्रम अली, अहद अंसारी, आरिफ हसन, कबीर हसन, सैफ अरशद आदि रहे।

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए गरीब कल्याण संस्थान ने गरीबों में बांटे कंबल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राजपुर धोबहा में गरीब कल्याण संस्था द्वारा आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम ने मानव सेवा की एक खूबसूरत तस्वीर पेश की। ठंड से परेशान गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल देकर संस्था ने उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी।

इस नेक कार्य से न सिर्फ लोगों को ठंड से राहत मिली, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, दया और सेवा का मजबूत संदेश भी गया। कार्यक्रम के दौरान एक भव्य स्वागत समारोह और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, सामाजिक एकता और गरीबों के उत्थान पर सार्थक चर्चा हुई।संस्था के सेवा कार्यों से प्रभावित होकर दो दर्जन से अधिक लोगों ने सदस्यता ग्रहण की, जो इस बात का प्रमाण है कि गरीब कल्याण संस्था का काम लोगों के दिलों को छू रहा है।इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक हरिशंकर मौर्या मुख्य अतिथि संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी रामगोपाल यादव, संगठन प्रभारी पप्पू चौहान, प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार प्रजापति, बहरैची प्रसाद प्रेम, बालजी मौर्या, सतेन्द्र यादव, सर्वजीत यादव, दीनानाथ, अमन गुलशन, नंदलाल, बालजीत यादव, दिनेश गौतम, बजरंगी प्रजापति, अध्यापकबाल मौर्य, ध्रुवचंद मौर्य, सत्येंद्र पाल यादव, राम शंकर यादव, डॉक्टर शंखराज शर्मा, डॉ रमेश मौर्य, हरिशंकर मौर्य , अफजल खान , राजेश साहू, रामपाल यादव, बजरंगी चौधरी, डॉ राजेंद्र प्रसाद मौर्य, राम तीरथ सहित एवं क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे। सभी मौजूद लोगों ने गरीब कल्याण संस्था के कार्यों की खुले दिल से प्रशंसा की और इसे समाज के लिए एक अनोखा कार्य बताया यह कार्यक्रम सिर्फ कंबल वितरण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह समाज के लिए मानवता, और समाज सेवा का अनोखा उदाहरण बनकर सामने आया। गरीब कल्याण संस्था का यह प्रयास निस्संदेह प्रशंसनीय है और समाज को सही दिशा दिखाने वाला है।

ज़ी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार ज़ी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज़ में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में ज़ी टीवी के वो किरदार एक साथ नज़र आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अपनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'ज़ी रिश्तों का मेला : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूज़िक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगा।

अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्य कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूं और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। वही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ संभालने की कोशिश क्यों करती हूं। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर को आसान बना देता है।

पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी की मनाई गई जन्म शताब्दी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के स्थित डिंडई चौराहे पर सुशासन के प्रणेता, भारतीय राजनीति के युगपुरुष एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम का आयोजन भारतभारी चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी के संयोजकत्व में, समाजसेवी दीपेंद्र विक्रम सिंह की देखरेख तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेशधर द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया।मुख्य अतिथि गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित उपस्थित जनसमूह ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अतिथियों का भव्य माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शुक्ल ने अटल बिहारी वाजपेयी के पारिवारिक जीवन, शिक्षा, राजनीतिक संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अटल जी की ओजस्वी वाणी, प्रेरक कविताओं और सर्वसमावेशी राजनीति को आज के दौर में प्रासंगिक बताया। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बांग्लादेश में दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जताते हुए हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया।इस अवसर पर श्याम पाठक, आकाश पाठक, वीरेंद्र राव, राजेंद्र त्रिपाठी, मधुसूदन अग्रहरी डॉ. दशरथ चौधरी, धर्मराज वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, नीरजमणि त्रिपाठी, मौलेश्वरनाथ त्रिपाठी सहित कई वक्ताओं ने अटल जी के जीवन मूल्यों और राष्ट्रहित में उनके योगदान को स्मरण किया।

सम्पादकीय

सांसों का संकट, 400 पार पहुंचा एक्यूआई, हाईकोर्ट ने पूछा- एअर प्यूरीफायर पर जीएसटी क्यों नहीं?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।

यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है!

जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा।

बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा। जबकि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय अपने एक आदेश में कह चुका है कि स्वच्छ हवा पर सभी नागरिकों का अधिकार है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का एक पहलू यह भी है कि मूल समस्या की जड़ तक जाने की बजाय इस पर राजनीति ज्यादा हावी होने लगी है। सियासी दल अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के लिए एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते रहते हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ दल भाजपा का तर्क है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम नहीं उठाए गए। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा अपनी जवाबदेही से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है।

सवाल है कि क्या इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप से प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान निकल पाएगा? जहरीली हवा की वजह से जो लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है। समय आ गया है कि मानव जीवन की रक्षा को सर्वोपरि मानकर प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास किए जाएं, ताकि सभी नागरिक स्वच्छ हवा में सांस ले सकें।

मानहानि और मुकदमे, अखिलेश यादव की मीडिया से नाराजगी कितनी जायज?

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव अक्सर मीडिया के प्रति नाराजगी खुले मंचों से जाहिर करते हैं। वह पत्रकारों से उनकी जाति भी पूछ लेते हैं। हाल की एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने एक मीडिया समूह पर मानहानि का केस करने की बात भी सार्वजनिक रूप से कही है। तो अखिलेश की नाराजगी पर दो अहम सवाल उठते हैं। पहला कि खुद उनके शासनकाल में यूपी में मीडिया की क्या स्थिति थी? दूसरा, क्या अखिलेश को खुद को यानी उनकी पार्टी के कदमों को मीडिया की आलोचना से ऊपर मानते हैं?

पहले इस सवाल पर बात करते हैं कि उत्तर प्रदेश में 2012 से 2017 के दौरान मीडिया की स्थिति कैसी थी? 2016 की बात है। अखिलेश शासन का चौथा साल चल रहा था। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नाम के संगठन ने 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स रिपोर्ट' में उत्तर प्रदेश को भारत में पत्रकारों के लिए 'सबसे खतरनाक क्षेत्रों' में रखा था। रिपोर्ट कहती है कि 2015 में यूपी में 4 पत्रकार मारे गए और हर महीने हमले हुए।

'प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया' और कुछ मीडिया वॉचडॉग्स ने उस समय राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा और मीडिया के साथ सरकार के संबंधों पर रिपोर्ट दी थी। अखिलेश सरकार में पत्रकारों पर खतरों को लेकर इन रिपोर्ट्स में स्पष्ट चिंता जाहिर की गई थी।

अखिलेश सरकार में मीडिया रिपोर्टिंग के खतरों को शाहजहांपुर के पत्रकार जगेंद्र सिंह हत्याकांड से अच्छे से समझा जा सकता है। मामला जून 2015 का है। जगेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के एक स्वतंत्र पत्रकार थे, जो मुख्य रूप से फेसबुक पेज 'शाहजहांपुर समाचार' के माध्यम से स्थानीय मुद्दों, भ्रष्टाचार और राजनीतिक गतिविधियों पर रिपोर्टिंग

करते थे। जगेंद्र ने तत्कालीन पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री राम मूर्ति वर्मा पर अवैध खनन, भूमि कब्जा और एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से गैंगरेप जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। ये पोस्ट मई 2015 में वायरल हुईं, जिसमें जगेंद्र ने वर्मा की संपत्ति और अपराधों पर सवाल उठाए।

1 जून 2015 को दोपहर में पुलिस और कुछ गुंडों ने जगेंद्र के घर पर छापा मारा। परिवार के अनुसार, वे जगेंद्र को मंत्री के खिलाफ लिखने से रोकने आए थे। जगेंद्र उस समय उसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का इंटरव्यू ले रहे थे, जिसने वर्मा पर रेप का आरोप लगाया था।

पुलिस ने घर में घुसकर जगेंद्र को पीटा और उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जगेंद्र के बेटे राघवेंद्र ने यह सब अपनी आंखों से देखा। गंभीर रूप से झुलसे जगेंद्र को पहले स्थानीय अस्पताल और फिर लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में जगेंद्र ने एक वीडियो में मरते हुए बयान दिया: 'मंत्री राम मूर्ति वर्मा ने मुझे मरवाया। वे मुझे पीट सकते थे, गिरफ्तार कर सकते थे, लेकिन जलाया क्यों? पुलिस इंस्पेक्टर श्री प्रकाश राय और उनके साथियों ने मुझे जिंदा जला दिया।'

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मामले ने राष्ट्रीय ध्यान खींचा। 8 जून 2015 को जगेंद्र की मौत हो गई। उनका शरीर 60% से ज्यादा जल गया था। मामले में जगेंद्र के बेटे राघवेंद्र की शिकायत दर्ज हुई, जिसमें मंत्री राम मूर्ति वर्मा, इंस्पेक्टर श्री प्रकाश राय और चार अन्य (गुफरान, आकाश गुप्ता आदि) पर हत्या, साजिश और धमकी के आरोप लगे। पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया।

इतने भयंकर विरोध के बावजूद अखिलेश सरकार ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की। फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा गया कि आग खुद से लगाई गई लगती है। एक गवाह (वही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) ने बाद में बयान बदल लिया। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने परिवार से मिलकर 30 लाख रुपये मुआवजा और दो बेटों को सरकारी नौकरी दी, लेकिन मंत्री को नहीं हटाया। राम गोपाल यादव ने कहा कि ईंट मात्र से मंत्री को नहीं हटाया जा सकता। जांच राज्य पुलिस के पास रही और कोई बड़ा एक्शन नहीं हुआ।

जगेंद्र सिंह हत्याकांड की पूरी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में है। कोई भी गूगल पर सर्च करके इस केस के बारे में पूरी जानकारी हासिल सकता है। अखिलेश यादव के शासनकाल में मीडिया पर हमले का सबसे जघन्य उदाहरण था। हालांकि ऐसा नहीं है कि मीडिया पर यह आखिरी हमला था। लेकिन बाकी के हमले इतने जघन्य नहीं थे। उनकी जानकारी भी हम आगे देंगे। इस लेख की शुरुआत में दो अहम सवाल उठाए गए थे। दूसरा सवाल था कि क्या अखिलेश को खुद को यानी उनकी पार्टी के कदमों को मीडिया की आलोचना से ऊपर मानते हैं? तो इस सवाल का जवाब पिछले कुछ वर्षों में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा मीडियाकर्मियों के साथ बदसलूकी के मामले हैं।

2021 में मुरादाबाद में अखिलेश की रैली थी। जिले के एक होटल में पार्टी का ट्रेनिंग कैंप चल रहा था। इस कैंप के दौरान ही जब मीडिया के लोगों ने अखिलेश यादव से सवाल करना शुरू किया तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा- 'आप लोग बिके हुए पत्रकार हो, सिर्फ मुझसे ही पूछते हो, बीजेपी के क्यों नहीं पूछते।' बताते हैं कि अखिलेश ने खुद कैमरे के सामने अपने सुरक्षाकर्मियों से कहा था कि इन्हें (पत्रकारों को) मारो। हालत यह हुई कि कई पत्रकारों ने होटल के रसोई में छिपकर अपनी जान बचाई।

पीडीए की राजनीति को मजबूती देने का दावा करने वाले अखिलेश सीधे तौर पर पत्रकारों का सरनेम और जाति भी पूछ लेते हैं। अगर कोई उनकी खुद की जाति पूछ ले तो भड़क जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें अखिलेश पत्रकार से पूछते हैं कि जाति क्या है आपकी, अन्य पिछड़ा वर्ग हो? इस पर कोई बताता है कि 'मिश्रा' हैं तो अखिलेश कहते हैं कि अरे मिश्रा जी! मिश्रा जी कुछ तो शर्म करो!

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देख सकता है और अखिलेश यादव के व्यंग्य को समझ सकता है। क्या अखिलेश किसी अन्य पार्टी के नेता से यह बर्दाश्त कर पाएंगे कि वह किसी पत्रकार से 'यादव' सरनेम की वजह से बदसलूकी करे या फिर कहे कि शर्म करो। तो फिर 'मिश्रा' होने पर ऐसी नाराजगी क्यों?

अप्रैल 2025 में अखिलेश यादव ने सार्वजनिक मंच से कुछ मीडिया समूहों का बहिष्कार करने की बात कही। आखिर लोकतंत्र में कोई राजनीतिक पार्टी या नेता कैसे किसी मीडिया समूह के बहिष्कार का आह्वान कैसे कर सकता है? नवंबर 2025 में भी आजमगढ़ की एक रैली और संसद सत्र के दौरान अखिलेश ने मीडिया पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया।

अखिलेश यादव को यह समझना चाहिए कि वह एक लोकतांत्रिक देश के नेता हैं। किसी तानाशाही राष्ट्र में नहीं हैं। मीडिया समूहों के बहिष्कार के जरिये वे लोकतंत्र के एक पूरे स्तंभ का बहिष्कार कर रहे हैं। आलोचनात्मक मीडिया को भी राजनीतिक पार्टियों और नेताओं को सकारात्मक ढंग से लेना चाहिए। अखिलेश जब मीडिया पर आरोप लगाते हैं तो उन्हें अपने शासनकाल की तरफ भी नजर घुमाकर देखना चाहिए। कई बार केवल मीडिया पक्षपाती नहीं होता, आपका नजरिया भी पक्षपाती होता है।

खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं, आत्मा के सांस लेने जैसा है; जानिए व्यस्तता के बीच क्यों जरूरी है एकांत?

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हर पल या कहें कि सेकंड की कीमत तय है। मोबाइल ऐप से लेकर कार्यस्थल की बैठक तक, हर जगह 'उत्पादकता' का शोर है। इस क्रम में लोग इस हद तक व्यस्त हो चुके हैं कि कई बार लगता है कि वे खुद को भूल गए हैं। वहीं चतुर्दिक छा रही इस तरह की व्यस्तता के माहौल में अगर कोई व्यक्ति थोड़ी देर के लिए खिड़की से बाहर बादलों को निहारने लगे, तो वहां मौजूद दूसरे लोग कहेंगे कि ध्यान दो, वक्त मत गंवाओ! सवाल है कि इस तरह ध्यान देने की सीमा क्या है।

अगर कोई व्यक्ति खयालों की दुनिया में विचरण करता है, तो क्या ऐसा करना उसका चुनाव नहीं होना चाहिए? आखिर यह सब कैसे धीरे-धीरे उससे छिनता जा रहा है? सवाल यह भी है कि क्या सचमुच खयालों में खो जाना वक्त की बर्बादी है या यह हमारे भीतर कुछ बेहद जरूरी बनाता और संजोता है।

सच यह है कि खयालों में खोना सिर्फ मन की चंचलता नहीं है। यह आत्मा के सांस लेने जैसा है। यह हमें शोरगुल से निकालकर भीतर के शांत कोने में ले जाता है। ऐसे ही क्षणों में हम अपनी थकी हुई चेतना को विश्राम देते हैं और अतीत, वर्तमान एवं भविष्य के धागों को बुनते हैं। कभी कोई पुरानी याद लौट आती है, कभी कोई नया विचार सिर उठाता है, तो कभी कोई अधूरा सपना आकार लेने लगता है। और दुनिया जानती है कि खयालों की इस तरह की दुनिया कई बार जमीन पर हकीकत बनने से पहले की एक जरूरी प्रक्रिया होती है।

इतिहास इसका साक्षी है। न्यूटन अगर बाग में बैठे गिरते सेब को देखकर विचारों में न डूबते, तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत शायद और देर से आता। आइंस्टीन भी सापेक्षता का सिद्धांत गढ़ने से पहले कई स्तर पर कल्पनात्मक प्रयोगों से गुजरे होंगे। रवींद्रनाथ ठाकुर नदी की धारा में देखते-देखते कविता बुनने लगे, जो आगे चलकर 'गीतांजलि' में दर्ज होकर अमर हुईं। इस तरह के न जाने कितने उदाहरण हमारे आसपास बिखरे मिल जाएंगे। यह सब बताता है कि निष्क्रिय दिखने वाला 'खयालों में डूबना' दरअसल सक्रिय सृजन की जमीन है।

खयालों में खोने को सही ठहराने के क्रम में इसके बचाव की दलीलें असल में सिर्फ खयाल नहीं हैं। बल्कि आधुनिक विज्ञान और मनोविज्ञान भी इसे पुष्ट करते हैं। तंत्रिका विज्ञान के अनुसार, जब हम सपनों में खोते हैं, तो मस्तिष्क में एक नेटवर्क सक्रिय होता है, जो रचनात्मक सोच, समस्या के समाधान और आत्म-चिंतन के लिए जिम्मेदार है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि दिन में थोड़ी देर ध्यान को बिखरने देना लंबे समय में एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन को मजबूत करता है।

विडंबना यह है कि आज का समाज लगातार 'करते रहने' को महत्त्व देता है, 'सिर्फ होने' की अहमियत नहीं समझता। ऐसे में खयालों में खोना एक तरह का प्रतिरोध है–इस समय-बोध के खिलाफ। जब हम रुककर खिड़की से बारिश देखते हैं, तो हम उस अदृश्य जाल से थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आते हैं, जो हमें हर पल उत्पादक बनाए रखने की कोशिश करता है।

कला, साहित्य और संगीत की शुरुआत भी इसी से होती है। किसी चित्रकार के लिए यह कोई रंग की छाया हो सकती है, लेखक के लिए कोई धुंधला दृश्य या संगीतकार के लिए कोई अधूरी धुन। इन्हें आकार देने के लिए पहले इन बिखरे टुकड़ों में खोना पड़ता है, जैसे कोई बच्चा रेत में हाथ डालकर सीपियां खोजता है।

खयालों में खोना संवेदनशीलता

की खेती भी करता है। यही हमें दूसरों के दुख को महसूस करने, किसी चेहरे में छिपी थकान को पहचानने और अनकही कहानियों को शब्द देने का हुनर देता है। यही संवेदनशीलता रचनात्मकता और सहानुभूति दोनों को जन्म देती है। जीवन के कठिन दौर में भी इसी तरह के खयाल हमें थाम लेते हैं। किसी अस्पताल के इंतजार कक्ष में बैठे हम खिड़की से बाहर खेलते बच्चों को देखकर कुछ देर के लिए बीमारी का डर भूल जाते हैं। या फिर सफर में ट्रेन की खिड़की से गुजरते खेतों को देखकर अपने बचपन का गांव लौट आता है। ऐसे क्षण हमें स्थिर और मानवीय बनाए रखते हैं।

समाज अक्सर खयालों में खोने वालों को आलसी या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, न कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तय किए गए अपने काम को पूरा करना है।

हालांकि यह भी सही है कि हर वक्त सपनों में खो जाना हमें ठोस जमीन से काट सकता है। मगर संतुलन बनाकर खयालों के लिए समय निकालना उतना ही जरूरी है, जितना सोना, खाना या सांस लेना। यह संतुलन ही तय करता है कि हम मशीन नहीं, इंसान बने रहें।

कई बार यह कहना जरूरी हो जाता है कि आखिरकार खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर की दुनिया का निर्माण है। यही भीतर की दुनिया हमें संघर्षों में थामती है और कल के लिए उम्मीद देती है।

जब हम अपने भीतर से संवाद करते हैं, तब हम बाहर की दुनिया को भी एक नई दृष्टि दे सकते हैं। इसलिए अगली बार जब हम चलते-चलते किसी स्मृति, चेहरे या धुन में खो जाएं, तो किसी के दूसरी ओर ध्यान दिलाने पर उसमें उलझने और घड़ी देखने के बजाय उस क्षण को जी लेना चाहिए। हो सकता है, वही पल हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी बन जाए।

कागजों पर 'साइलेंस जोन', हकीकत में जानलेवा शोर; आखिर क्यों फेल हो रहे हैं नियम?

देश में शहरीकरण और औद्योगीकरण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। अब यह केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रहा, बल्कि अदृश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। वर्ष 2000 में सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम लागू किए, जिनके अंतर्गत अस्पतालों, स्कूलों और न्यायालयों के आसपास के क्षेत्रों को शांत क्षेत्र (साइलेंस जोन) घोषित किया गया।

इन नियमों का मुख्य उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में शोर का स्तर दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल से कम रखना था, जैसा कि नियमों की अनुसूची में निर्धारित है। मगर व्यावहारिक तौर पर इन मानकों का शायद ही कभी पालन हो पाया। विभिन्न सर्वेक्षण बताते हैं कि ढाई दशकों का समय बीतने के बाद भी देश के कई शहर पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हो चुके हैं। सरकार की ओर से घोषित 'शांत क्षेत्रों' में भी ध्वनि प्रदूषण मानकों से कहीं ज्यादा रहता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दस राज्यों में 82 स्टेशनों के साथ 'नेशनल एंबिएंट नाइज मानिटरिंग नेटवर्क' शुरू किया था। यह नेटवर्क डेटा तो एकत्र करता है, लेकिन इसके आधार पर कोई वास्तविक समय पर नियामक कार्रवाई नहीं होती। भारत के पास अब नियम और निगरानी दोनों हैं, लेकिन मापने योग्य 'शांति' नहीं है।

चेन्नई, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता, बंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगर आज पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हैं। राष्ट्रीय नेटवर्क के तहत निगरानी के अधीन 'शांत क्षेत्र' अब ध्वनि प्रदूषण से रहित वास्तविक सार्वजनिक स्वस्थ क्षेत्रों के बजाय केवल नीतिगत प्रतीक बनकर रह गए हैं। इसे संस्थागत विफलता कहा जाएगा या समन्वय की कमी?

दरअसल, मूल समस्या विभिन्न एजंसियों के बीच समन्वय की कमी में निहित है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से स्थापित मंच के माध्यम से ही डेटा एकत्र करते हैं। मगर नगर निकायों, यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभागों और स्थानीय प्रशासन के साथ कोई एकीकृत तालमेल नहीं है।

इसके अलावा ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव को अनिद्रा, उच्च रक्तचाप या हृदय रोग जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ने की कोई समन्वित प्रणाली भी मौजूद नहीं है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण का डेटा और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव दोनों अच्छी तरह प्रलेखित हैं, मगर कमी सिर्फ इन्हें जोड़कर आकलन करने वाले एकीकृत ढांचे की है।

'शांत क्षेत्रों' को अब तक मुख्यतः प्रशासनिक अधिसूचनाओं के रूप में देखा जाता रहा है, न कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्रों के रूप में। निगरानी उपकरणों का रखरखाव कमजोर है और बजट केंद्रीय स्तर पर सीमित रहता है, क्योंकि प्रवर्तन की संस्थागत जवाबदेही बिखरी हुई है।

नतीजा यह है कि कानून और डेटा मौजूद हैं, लेकिन प्रवर्तन कमजोर है और कार्रवाई नदारद। भारत में शोर केवल सहन ही नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर उसे उत्सव की तरह अपनाया जाता है। शादी-ब्याह के बैंड, मंदिरों के लाउडस्पीकर, लगातार हार्न बजाना और जुलूस रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, जिससे नागरिक अनुशासन पीछे छूट जाता है।

इस स्वीकृति के कारण लोग यह भूल जाते हैं कि शोर एक स्वास्थ्य समस्या है। शासन की प्राथमिकताएं आम तौर पर विकास परियोजनाओं की ओर झुकी रहती हैं, इसलिए शोर नियंत्रण नीचे खिसक जाता है। ध्वनि प्रदूषण के लिए नियमन अक्सर यातायात, व्यापार और राजनीति से टकराता है, जिससे उसका प्रवर्तन कठिन और अलोकप्रिय हो जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय भी इस बात को दोहरा चुका है कि प्रदूषण-मुक्त वातावरण का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न हिस्सा है। इसके बावजूद प्रवर्तन कमजोर बना हुआ है, सीमित नगर क्षमता और असंगत पुलिस प्रक्रिया के कारण। कई शहरों में अधिसूचित 'शांत क्षेत्र' आज भी खराब संकेतक, कम जन-जागरूकता और नियमित निगरानी के अभाव में केवल कागजों पर ही मौजूद हैं।

देश में 'शांत क्षेत्र' के लिए मानक दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल निर्धारित हैं। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के मुताबिक, यातायात शोर दिन में 53 डेसीबल और रात में 45 डेसीबल से अधिक नहीं होना चाहिए। देश के सभी बड़े शहरों में भारतीय और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों के मानकों का उल्लंघन हो रहा है।

शहरों की नियोजन योजनाएं आज भी 'शांत क्षेत्र' को तकनीकी सीमांकन के रूप में देखती हैं, न कि स्वास्थ्य-सुरक्षा क्षेत्रों के रूप में। इस स्थिति में देश को ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो पर्यावरणीय निगरानी को स्वास्थ्य डेटा और शहरी योजना से जोड़े। उदाहरण के लिए, ध्वनि निषेध क्षेत्र के आंकड़ों को अस्पतालों में दर्ज बीमारियों के बढ़ते दायरे, मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्ट या यहां तक कि स्कूलों के प्रदर्शन संकेतकों से जोड़ा जा सकता है। ऐसा एकीकरण नीति निर्धारण के केंद्र को केवल 'प्रदूषण नियंत्रण' से हटाकर 'स्वास्थ्य-केंद्रित व्यवस्था' की ओर ले जाएगा।

'शांत क्षेत्रों' को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि ध्वनि प्रदूषण को सिर्फ नियंत्रित करने से आगे बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके अलावा 'शांत क्षेत्रों' को सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्र के रूप में पुनर्परिभाषित करना होगा। उन्हें केवल 'हार्न वर्जित क्षेत्र' नहीं, बल्कि अस्पतालों, स्कूलों और संवेदनशील आबादी वाले इलाकों की रक्षा करने वाले शहरी स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत करना होगा। संस्थागत दायित्व और समन्वय को मजबूत करने की जरूरत है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को केवल निगरानी तक सीमित न रखकर उसे अंतर-एजंसी प्रोटोकॉल बनाने, अनुपालन लागू करने और स्वास्थ्य-आधारित मानक तय करने का अधिकार देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका अंतर-विभागीय समन्वय, नीति मार्गदर्शन और स्वास्थ्य-आधारित मानकों के विकास तक विस्तृत होनी चाहिए।

यानी प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी तमाम एजंसियों के काम करने के तरीकों में सुधार आवश्यक है। तभी शोर को कम करने का प्रयास एक सरकारी आदेश से बाहर निकलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का मूल सिद्धांत बन सकेगा। देश में 'शांत क्षेत्र' अधिसूचित करने का वास्तविक मकसद इन क्षेत्रों को शोरगुल से दूर रखने का था। मगर केवल कागजों में कानून बना देने से ध्वनि प्रदूषण कम नहीं हो सकता, उसे शहरी नियोजन, प्रभावी प्रवर्तन और सामूहिक जागरूकता के माध्यम से गढ़ना पड़ता है।

समस्या पुराने नियमों की नहीं, बल्कि इस बात की है कि वे समय, विज्ञान और शहरी वास्तविकताओं के साथ विकसित नहीं हो पाए। आज शोर केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय गरिमा के अधिकारों से टकराने वाला संकट बन चुका है। मजबूत निगरानी और जवाबदेही के बिना 'शांत क्षेत्र' केवल सरकारी कागजों में उल्लेखित शब्द बनकर रह जाएगा। नियम-कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी होगी।

ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण की प्रक्रिया में संसाधनों के अभाव को दूर करना भी जरूरी है। इस सुधार के बिना न तो ध्वनि प्रदूषण की सही तरीके से निगरानी हो सकेगी और न ही प्रभावी उपायों को धरातल पर ठीक तरह से उतारा जा सकेगा। आखिरकार, प्रदूषण रहित वातावरण का अधिकार कोई प्रतीकात्मक अवधारणा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा मसला है।

अखिल भारतीय बाबा सेमराधनाथ मैराथन दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। डीघ ब्लाक के कोइरौना खेदौपुर स्थित विश्वनाथ पाण्डेय कांवेंट इण्टर कालेज द्वारा आयोजित 22 वां बाबा सेमराध नाथ अखिल भारतीय मैराथन दौड़ का हरी झंडी दिखाकर भदोही सांसद माननीय डॉ. विनोद बिंद ने धावकों को रवाना करने से पूर्व धावकों से हाथ मिलाकर उत्साहित किया तथा अपने संबोधन में धावकों से कहा कि खेल की भावना लेकर दौड़े सफलता कदम चूमेगी साथ ही साथ यह भी कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार खिलाड़ियों के हितों में बहुत सी योजनाएं संचालित की है जिससे हमारे देश के खिलाड़ी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। तत्पश्चात माननीय सांसद डॉ विनोद बिंद ने धावकों को हरी झंडी दिखाई जिसमें 75 धावक विजय प्राप्त करने के लिए दौड़े।धावक दौड़ते हुए डगडगपुर नेवाजीपुर मोड़ होते हुए सेमराध नाथ पहुंचे। जिसमें भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि ज्ञानपुर विधायक विपुल दूबे के बड़े भाई डॉ विनय दूबे के कर कमलों द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावक कौलापुर निवासी अजय पटेल 10 हजार रूपए नकद व प्रमाणपत्र द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले धावक उत्सव पटेल ढोकरी प्रयागराज को 55 सौ रूपए नकद व प्रमाणपत्र तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावक गौरीशंकर पटेल ऊंचगांव वाराणसी को 3 हजार रुपए नकद व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।शेष चतुर्थ स्थान से लेकर 11 वें स्थान तक स्थान बनाने वाले धावकों को मंच पर विराजमान अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम सराहनीय रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में मंच पर प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्र, विधायक प्रतिनिधि डॉ विनय दूबे, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पाण्डेय, श्रीमती रेनू पाण्डेय, डॉ आनन्द मिश्र, राजेश मिश्र राजन, महेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, जय शंकर दूबे, प्रभारी ब्लाक प्रमुख मनोज मिश्र, आलोक सिंह, कृष्ण कुमार मिश्र, विमल मिश्र, ओपी मिश्र, राहुल कनौजिया, संचालन डॉ अभिषेक पाण्डेय मोनू ने किया तथा अध्यक्षता प्रधान संतोष पाण्डेय ने किया।

सपा जिला कार्यालय पर मनाई गई महाराजा बिजली पासी की जयंती

भदोही। समाजवादी पार्टी जनपद भदोही के जिला कार्यालय (लोहिया ट्रस्ट) कंसापुर, ज्ञानपुर में महाराजा बिजली पासी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने महाराजा बिजली पासी को साहस, आत्मसम्मान और शौर्य का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और नेतृत्व की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

सुशासन के जरिए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है : डॉ. पंकज कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सुशासन दिवस के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा विकासखंड भदोही के दलापुर पंचायत सचिवालय परिसर में सुशासन दिवस एवं विकसित भारत-राम विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी विनोद कुमार ने कहा कि विकसित भारत-राम के अंतर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के माध्यम से सुशासन में पारदर्शिता आई है और आज लाभार्थियों को योजनाओं की धनराशि सीधे उनके खातों में मिल रही है, वहीं ग्राम सचिवालयों से कई सेवाएं ऑनलाइन सुलभ हो रही हैं।

जिला सूचना अधिकारी भदोही डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि सुशासन सप्ताह का मुख्य उद्देश्य

जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करना और ग्रामीण स्तर तक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन से प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास मजबूत होता है।

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन समाचार प्रतिनिधि संजय श्रीवास्तव ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अटल दूरदर्शी, सरल और सुशासन के प्रतीक थे, जिनके नेतृत्व में देश ने विकास की नई दिशा पाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान अटल के जीवन, व्यक्तित्व एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले 15 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

सीबीसी के पंजीकृत कलाकारों द्वारा लोकगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सुशासन का संदेश दिया गया।

केंद्रीय संचार ब्यूरो वाराणसी के सहायक निदेशक डॉ. लालने कहा कि सुशासन ही मजबूत लोकतंत्र और विकसित भारत की नींव है तथा अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर बेहतर शासन व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान दलापुर जय प्रकाश पटेल, ग्राम प्रधान रजईपुर संतोष कुमार पटेल, सचिव मनीष कुमार चौरसिया, अधिवक्ता संतोष कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लालने किया।

ऑपरेशन नया जीवन' से 53 अनाथ बच्चों को मिली नई राह

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में जनपद में अनाथ व बेसहारा बच्चों के भविष्य को संवारने हेतु एक नई और सराहनीय पहल 'ऑपरेशन नया जीवन' (मिशन शक्ति के अंतर्गत) की शुरुआत की गई। इस क्रम में गुरुवार को थाना दुर्गागंज परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस गोष्ठी में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष/सदस्य, समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एएसपी ने बताया कि 'ऑपरेशन नया जीवन' का उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान करना है जिनके माता-पिता नहीं हैं या जिनकी पढ़ाई व देखभाल नहीं हो पा रही है। अभियान के तहत बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाता बनवाकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा तथा उन्हें सरकारी अथवा निविद्यालयों में नामांकन कराकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। अभियान के अंतर्गत आज कुल 53 बच्चों का चयन किया गया, जिनमें 26 बालिकाएं एवं 27 बालक शामिल हैं। मौके पर ही 10 बच्चों के बैंक खाते भी खुलवाए गए।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा समाज के संभ्रांत एवं समृद्ध नागरिकों से अपील की गई कि यदि वे इस मानवीय मुहिम में सहयोग करना चाहें तो आगे आकर बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य निर्माण में सहभागी बन सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ओरल हेल्थ कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्ति व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी दी गई।

सुरियावां में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का हुआ भव्य अनावरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर नगर पंचायत सुरियावां स्थित बाईपास पर उनकी प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण भदोही के पूर्व विधायक रविन्द्र नाथ त्रिपाठी द्वारा अपने करकमलों से किया गया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता अभयराज सिंह, अवधेश उमर, नगर पंचायत सुरियावां के चेयरमैन विनय चौरसिया, अजय मोदनवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रनिर्माण, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अटल का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अटल को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

मिशन शक्ति फेज - 5.0 अभियान

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0'के तहत आज दिनांक 25.12.2025को अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में व शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

स्व0 रतन सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता डीघ का उद्घाटन आज

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले के डीघ ब्लॉक अन्तर्गत कोनिया क्षेत्र के डीघ गांव में स्व0 रतन सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता आज 26 दिसम्बर 2025 शुक्रवार को शुभारंभ होगा। जिसका उद्घाटन समाजसेवी चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी गोरे तिवारी के द्वारा किया जा रहा है।

विगत कई वर्षों से यह प्रतियोगिता ग्रामसभा डीघ कुटी मैदान पर सीजन बॉल लेदर से क्रिकेट का आयोजन किया जाएगा।संदीप कुमार सिंह मौनस राजेन्द्र मिश्र खोड़े, कृष्णकुमार मिश्रा आर्मी पट्टर मिश्रा अवधेश मिश्र, मनोज दूबे संजय सिंह रोशन यूपीपी अशोक सिंह वैभव राहुल अंशुमान सिंह सचिन मिश्र अवनीश दूबे मखोली माअजय सिंह कररहा शिवलाल निषाद मौलन निषाद विनोद यादव बृजेश यादव लवलेश यादव विष्णुकान्त मिश्र सुनील विश्वकर्मा मास्टर अंकित सिंह नवीन सिंह श्याम बहादुर पाल यूपीपी रोहित सिंह भगत यादव प्रदीप यादव अमन मिश्र उत्तम सिंह सुन्दर सिंह छोटू कान्हा सत्यम् श्रीवास्तव प्रिन्स सिंह हरिओम गुलाब धोनी सोनू सिंह अभिषेक मिश्रा पंकज सिंह बबलू तिवारी मोनू सिंह संदीप पाल सोनू उपाध्याय प्रांजू सिंह सुरेन्द्र प्रताप सिंह कवि ।

'सुशासन दिवस' पर प्रतिभावान विद्यार्थियों व कर्मयोगियों का कलेक्ट्रेट में हुआ सम्मान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह के समापन अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय सभागार सरपतहां में 'सुशासन दिवस' के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी मुख्य अतिथि तथा मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने की।

कार्यक्रम का आयोजन सह नोडल अधिकारी प्रो. रमेश चंद्र यादव, प्राचार्य काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बाल्केश्वर ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राजकीय हाई स्कूल सराय मिश्रानी, ज्ञानपुर के कक्षा 9 के छात्र ओजस यादव को प्रथम पुरस्कार 5, 000 रुपये, विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर के कक्षा 11 के छात्र हर्ष तिवारी को द्वितीय पुरस्कार 3, 000 रुपये तथा कक्षा 12 के छात्र विकास कुमार को तृतीय पुरस्कार 2, 000 रुपये प्रदान किए गए।

उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर के बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र रंजीत

कुमार यादव ने प्रथम पुरस्कार 10, 000 रुपये प्राप्त किया। रामदेव पीकॉलेज, जंगीगंज की एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा वैशाली अग्रहरि को द्वितीय पुरस्कार 5, 000 रुपये तथा इसी महाविद्यालय की बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा उपासना जायसवाल को तृतीय पुरस्कार 3, 000 रुपये प्रदान किया गया।

इसी प्रकार एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय की बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा आंचल पांडे ने प्रथम पुरस्कार 10, 000 रुपये प्राप्त किया। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र आशीष मणि को द्वितीय पुरस्कार 5, 000 रुपये तथा इसी महाविद्यालय की बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा नेहा दुबे को तृतीय पुरस्कार 2, 500 रुपये प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, पंडित दीनदयाल अंत्योदय ग्रामीण योजना एवं डी.एन.आर.एम. के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोजगार सेवकों, समूह सखियों, विद्युत सखियों, बैंक सखियों तथा सुरक्षित मातृत्व में सराहनीय योगदान देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह का संचालन डॉ. रिचा यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समापन समारोह के संयोजक डॉ. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त श्रम रोजगार, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य विभागों के अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल से आयोजित समारोह का सीधा प्रसारण वीडियो के माध्यम से छात्रों को दिखाया गया, जिसे लेकर छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

सांसद खेल महोत्सव-2025 का भव्य समापन, 850 से अधिक खिलाड़ी हुए सम्मानित

8 आठ खेल विधाओं की 30 उपविधाओं में लगभग 850 से अधिक खिलाड़ी हुए सम्मानित व पुरस्कृत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सांसद खेल महोत्सव-2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन का सजीव प्रसारण जनपद के जिला खेल स्टेडियम, मुंशीलाटपुर में किया गया। इस अवसर पर सांसद लोकसभा-78 भदोही डॉ. विनोद कुमार बिंद, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित हजारों खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमी नागरिकों ने प्रधानमंत्री का संबोधन बड़े ध्यानपूर्वक देखा एवं सुना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व का विद्यालय है। उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' और ऐसे जनप्रतिनिधि आधारित खेल आयोजनों से ग्रामीण एवं कस्बाई प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। युवाओं में फिटनेस, सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता विकसित हो रही है। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास, खेल भावना और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य जनपद की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि लोकसभा-78 भदोही क्षेत्र के प्रत्येक गांव व नगर से खिलाड़ियों की सहभागिता इस आयोजन की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन, प्रशिक्षण और मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि खेल युवाओं को नशामुक्त, अनुशासित और स्वस्थ जीवन की ओर ले जाते हैं। जनपद प्रशासन खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव को सामाजिक समरसता और युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बताया। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने कहा कि खेल गतिविधियां शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक सशक्तिकरण का भी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं विकास योजनाओं के माध्यम से खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण स्तर तक प्रतिभाओं को लाभ मिल सके।

सांसद खेल महोत्सव लोकसभा-78 भदोही के अंतर्गत विधानसभा स्तर पर 08 खेल विधाओं–एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, भारोत्तोलन एवं कुश्ती–में सबजूनियर, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग के महिला/पुरुष खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। लगभग 30 उप-विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 850 से अधिक विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को स्पोर्ट्स किट, शील्ड, टी-शर्ट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनसमूह ने सांसद खेल महोत्सव-2025 को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बताते हुए आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन ने जनपद में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की और युवाओं में भविष्य के प्रति नया आत्मविश्वास जगाया।

इस मौके पर संजय कुमार बिंद सांसद प्रतिनिधि, अखिलेश्वर सिंह, अश्वनी कुमार मिश्रा, पंकज, रवि कुमार तिवारी जिला युवा कल्याण अधिकारी, डॉ पंकज कुमार जिला सूचना अधिकारी व अन्य लोग उपस्थित रहें।

शीतलहर, घना कोहरा व कड़ाके की ठंड से बचाव हेतु जनपद में कंबल वितरण अभियान जारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शीतलहर, घना कोहरा एवं कड़ाके की ठंड से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री के मंशानुरूप तथा जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशानुसार जनपद के सभी तहसील क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा निरंतर कंबल वितरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गरीबों, वंचितों एवं बेसहारा व्यक्तियों को ठंड से राहत प्रदान करना है।

इसी क्रम में सुशासन दिवस के अवसर पर तहसील औराई क्षेत्र में माननीय विधायक औराई दीनानाथ भास्कर द्वारा जरूरतमंदों, गरीबों, वंचितों एवं असहाय नागरिकों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर राहत व संतोष का भाव देखने को मिला। माननीय विधायक ने स्वयं उपस्थित होकर लोगों से संवाद किया एवं उन्हें आत्मीय गर्माहट प्रदान की। इस अवसर पर विधायक दीनानाथ भास्कर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में शासन द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। अंत्योदय वर्ग को ठंड से बचाव के दृष्टिगत कंबल वितरण के साथ-साथ रैन बसेरा, अलाव, गर्म पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड के कारण असहाय न रहे। प्रशासन द्वारा जनपद के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखते हुए रैन बसेरों की व्यवस्था, अलाव जलाने तथा कंबल वितरण का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वास्तविक जरूरतमंदों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए तथा ठंड से बचाव की सभी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से क्रियान्वित हों।

जनपद प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं कोई व्यक्ति ठंड से पीड़ित अथवा सहायता से वंचित दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर तहसीलदार औराई सुनील कुमार सहित राजस्व टीम उपस्थित रही।

अखिलेश और मायावती ने क्रिसमस पर्व पर बधाई और शुभकामना दी

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना दी है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर क्रिसमस की बधाई का एक पोस्टर साझा किया जिसमें सांता क्लॉज़ को साइकिल (सपा का चुनाव चिह्न) चलाते दिखाया गया है। इस पोस्ट में यादव ने लिखा 'यही दुआ 'प्रेम, दया और अपनापन' तोहफ़ा बनकर आए हर घर-आँगन!'

वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा 'देश व दुनिया भर में रहने वाले भारतीय लोगों, खास़कर ईसाई समुदाय के सभी लोगों को क्रिसमस त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।'

उन्होंने कहा 'आपसी प्यार और करुणा का संदेश देने वाले इस पर्व के पावन अवसर पर समाज में शान्ति, सदभाव, समानता और सेवा के मूल्यों को मज़बूती से जारी रखने का संकल्प भी ज़रूरी। हैप्पी क्रिसमस।

लखनऊ में सनसनी! कर्बला से चोरी हुआ पवित्र 'जुल्जना' घोड़ा

धार्मिक आस्था पर वार, 50 हजार का इनाम घोषित

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अनोखी चोरी की घटना सामने आई है, जिसने पुलिस से लेकर आम लोगों तक को सक्रिय कर दिया है। मामला तालकटोरा थाना क्षेत्र का है, जहां कर्बला परिसर से शिया समुदाय की धार्मिक आस्था से जुड़ा बेहद कीमती 'जुल्जना' घोड़ा चोरी हो गया है। यह कोई साधारण घोड़ा नहीं, बल्कि ईरानी नस्ल का विशेष घोड़ा है, जिसका धार्मिक और भावनात्मक महत्व बहुत अधिक है।

जानकारी के मुताबिक, जुल्जना घोड़ा लंबे समय से कर्बला परिसर में रखा गया था और धार्मिक आयोजनों में इस्तेमाल होता था। जब सुबह लोगों ने देखा कि घोड़ा अपने स्थान पर नहीं है, तो पहले आसपास उसकी तलाश की गई, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद तुरंत तालकटोरा थाने में चोरी की सूचना दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कर्बला परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच के दौरान सामने आया कि चोरी की पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति घोड़े को अपने साथ ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है।

कर्बला तालकटोरा राजाजीपुरम निवासी और पूर्व मुतवल्ली सैय्यद फैजी ने बताया कि जुल्जना घोड़े का न मिलना समुदाय के लिए बेहद दुखद है। उन्होंने ऐलान किया है कि जो भी व्यक्ति इस घोड़े को सुरक्षित वापस लाएगा, उसे 50 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

जुल्जना घोड़ा शिया समुदाय में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इससे समुदाय की गहरी आस्थाएं जुड़ी हैं। चोरी की खबर फैलते ही इलाके में रोष फैल गया है और लोग घोड़े की जल्द बरामदगी की मांग कर रहे हैं।

तालकटोरा थाना प्रभारी कुलदीप दुबे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस की टीमें घोड़े की तलाश में जुटी हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

गिरफ्तार करने गए पुलिसकर्मियों की जमकर पिटाई! सिपाही की वर्दी फाड़ी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ से एक हैरान करने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक पुलिसकर्मी बिना वर्दी के दिखाई दे रहा है। यह पूरा मामला हैरान कर देगा। जानकारी के अनुसार, पुलिस सलावा गांव के ताल्हा, कादिर और गुलाब को गिरफ्तार करने पहुंची थी। पुलिस ने तीनों को हिरासत में भी ले लिया था। लेकिन जब उन्हें कैदी वाहन में बैठाया जा रहा था, तभी आरोपियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

बता दें कि पुलिस को एक पीड़ित ने शिकायत दी थी। जिसके बाद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची थी। आरोप है कि गिरफ्तारी के दौरान तीनों ने मिलकर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान सिपाही सुनील की वर्दी फाड़ दी गई। बदमाशों ने सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश भी की और पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की। मामला बिगड़ता देख सीओ मवाना भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से घिरे हुए पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वहीं, मेरठ के एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के साथ बदसलूकी और हमले के मामले में गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

क्रिसमस पर बजरंग दल ने चर्च के सामने किया हनुमान चालीसा का पाठ

लगाए 'जय श्रीराम' और 'हर हर महादेव' के नारे

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली के कैंट थाना क्षेत्र में क्रिसमस से एक दिन पहले बुधवार शाम को बजरंग दल के सदस्यों ने सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल चर्च के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ किया और 'जय श्रीराम' व 'हर हर महादेव' के नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चर्च द्वारा आयोजित क्रिसमस महोत्सव के दौरान हिंदू धर्म और समाज को गलत और आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे हिंदू जनभावनाओं को ठेस पहुंची है।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'ईसाई मशीनरी मुर्दाबाद' जैसे नारे भी लगाए। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। आधे घंटे से भी कम समय तक चले इस विरोध प्रदर्शन के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आशुतोष शिवम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वाले आयोजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई थी।

ज्ञापन के अनुसार, बजरंग दल ने आरोप लगाया है कि 23 दिसंबर को चर्च में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूलों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ऑडियो-विजुअल शामिल थे, जिनमें कथित तौर पर धर्मांतरण, हिंदू मंदिरों और हिंदू समाज से संबंधित मुद्दों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था। सीओ शिवम ने कहा कि प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन प्राप्त हुआ है "और मामले की जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।' सीओ ने यह भी कहा कि किसी को भी कानून-व्यवस्था भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नए साल और छुट्टियों को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रोटोकाल और स्पर्श दर्शन पर लगाई रोक

लखनऊ **(एजेंसी)**। वाराणसी के प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नववर्ष पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने की संभावना को देखते हुए बुधवार से प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है। एक पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्यकार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नव वर्ष के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते 24 दिसंबर से प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है। मंदिर में श्रद्धालुओं को लाइन लगाकर बाबा का झांकी दर्शन कराया जा रहा है। मिश्र ने कहा कि मंदिर में सुविधा और सुरक्षा के साथ सभी को दर्शन प्राप्त हो सकें, इसके लिए सभी श्रद्धालु मंदिर न्यास के इस निर्णय का सहयोग करें।

बीजेपी नेता को सिर में मारी गोली; शादीशुदा वंदना और उसके प्रेमी साबिर ने किया मर्डर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सहारनपुर से एक दिल दहला देने वाले मामले का खुलासा हो गया है। यहां पर एक बीजेपी नेता को सिर में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल करने में जुट गई। जांच में दौरान पुलिस ने नेता की मौत की सारी गुत्थी सुलझा ली और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन, अभी भी एक आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

यह पूरा मामला सहारनपुर का टिडौली गांव का है। यहां पर भाजपा नेता धर्म सिंह कोरी की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने पूछताछ करनी शुरू कर दी, जिसके बाद पता चला कि गांव के ही रहने वाली शादीशुदा महिला वंदना और उसके प्रेमी साबिर ने ही नेता की हत्या की है। उन्होंने 6 नवंबर की रात गांव में शादियां हो रही थीं और पटाखों का शोर था। इसी मौके का फायदा उठाकर देर रात धर्म सिंह के सो जाने के बाद उनके सिर में गोली मार दी गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतक धर्म सिंह कोरी ने वंदना की शादी गांव के ही प्रदीप कश्यप से कराई थी। शादी के बाद वंदना के आचरण को लेकर गांव में शिकायतें मिलने लगीं। उसका प्रेम संबंध साबिर से हो गया। लोगों का आरोप था कि वंदना गांव में देह व्यापार का धंधा कर रही थी। इस पर धर्म सिंह कोरी ने वंदना को ससुराल से वापस उसके मायके भेज दिया। गांव में उसका आना-जाना बंद करवा दिया। ये बात साबिर और वंदना को अंदर ही अंदर सताने लगी। इसके बाद उन्होंने योजना बनाई और बीजेपी नेता का मर्डर कर दिया। पुलिस ने इस वारदात का खुलासा किया और वंदना और साबिर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उनका एक साथी अभी भी फरार है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 315 बोर का तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस बरामद हुए हैं।

अब सैनिक चला सकेंगे इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया ऐप्स, पर 'लाइक-कमेंट' करने पर रहेगी पाबंदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सेना ने सैनिकों और अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सूत्रों के मुताबिक, अब सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके साथ कुछ सख्त शर्तें भी जोड़ी गई हैं।

नए निर्देशों के अनुसार, सैनिक अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक) का इस्तेमाल केवल जानकारी जुटाने और कंटेंट देखने के लिए कर सकते हैं। सैनिक किसी भी पोस्ट पर लाइक, कमेंट या अपना कंटेंट पोस्ट नहीं कर सकते।

जवानों को सोशल मीडिया पर गुमराह करने वाले या फर्जी पोस्ट को अपने सीनियर अधिकारियों को रिपोर्ट करने की अनुमति होगी। डिजिटल एक्टिविटी पर बाकी सभी पुराने सुरक्षा नियम और प्रोटोकॉल पहले की तरह ही लागू रहेंगे।

हाल ही में 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्मार्टफोन की जरूरत पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि आज के दौर में स्मार्टफोन और इंटरनेट एक जरूरत है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि दूर-दराज के इलाकों में तैनात सैनिक के लिए अपने बच्चों की पढ़ाई, स्कूल फीस या परिवार का हालचाल जानने के लिए फोन जरूरी है।

उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात कही कि हम नहीं चाहते कि हमारे सैनिक तुरंत किसी पोस्ट पर रिएक्ट करें। हम चाहते हैं कि वे चीजों को सिर्फ देखें और समझें। वे रिटायर होने के बाद जवाब दे सकते हैं।

भारतीय सेना ने सुरक्षा कारणों और 'हनी ट्रैप' जैसे खतरों से बचने के लिए समय-समय पर नियम सख्त किए हैं। 2020 में, सेना ने फेसबुक और इंस्टाग्राम समेत 89 मोबाइल ऐप्स को डिलीट करने का आदेश दिया था।

अब सेना पूरी तरह बैन लगाने के बजाय 'कंट्रोल्ड इस्तेमाल' की ओर बढ़ रही है। जवान अब लिंक्डइन पर अपना रिज्यूमे अपलोड कर सकते हैं या प्रोफेशनल जानकारी के लिए यूट्यूब और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स देख सकते हैं।

सेना ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर जानकारी का आधिकारिक स्रोत केवल सेना के हैंडल ही रहेंगे। उदाहरण के तौर पर, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जब पड़ोसी देशों के सोशल मीडिया पर अफवाहें उड़ रही थीं, तब भारतीय सेना के आधिकारिक हैंडल ने ही सबसे पहले और सटीक जानकारी साझा की थी।

चित्रदुर्ग में लॉरी से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 12 लोगों की मौत, सरकार ने जताया दुख

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। गुरुवार सुबह कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के गोरलाथु गांव के पास एक लॉरी से टक्कर के बाद एक निजी बस में आग लग गई, जिसमें 12 से अधिक लोग जलकर मर गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर लॉरी ने बस को टक्कर मार दी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें हिरियूर और चित्रदुर्ग के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच, उत्तर पूर्वी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बीआर रविकांत गौड़ा और चित्रदुर्ग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रंजीत कुमार बंदारू समेत वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं।

बस में 32 लोग सवार थे और यह बेंगलुरु से शिवमोग्गा जा रही थी। यह बस सी बर्ड नामक एक निजी सेवा कंपनी की थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, 'चित्रदुर्ग के पास एक लॉरी और बस की भीषण टक्कर में कई यात्रियों के जलकर मर जाने की दुखद खबर सुनकर दिल कांप गया है। क्रिसमस की छुट्टियों में घर जा रहे लोगों की यात्रा का इस तरह दुखद अंत होना बेहद दर्दनाक है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच होनी चाहिए। मैं मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। इस दुर्घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों के दुख में मैं उनके साथ हूं।'

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्वीट किया, 'बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही बस और ट्रक के बीच हिरियूर के पास हुए हादसे की खबर से गहरा सदमा लगा है, जिसमें कई लोग जलकर मर गए। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हो जाएं। ईश्वर करे कि ऐसी त्रासदी दोबारा न हो।' शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि हिरियूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में तड़के हुई यह दुर्घटना लॉरी चालक की लापरवाही के कारण हुई। लॉरी डिवाइडर पार करके बस से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप आग लग गई और 12 से अधिक लोगों की जान चली गई।

पुलिस को संदेह है कि लॉरी चालक को नींद आ गई होगी और जांच जारी है। बंदारू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'दुर्घटना एनएच-48 पर रात करीब 2 बजे हुई। ट्रक बेंगलुरु जा रहा था जब उसका चालक सो गया और डिवाइडर पार करके एक बस से टकरा गया। बस में तुरंत आग लग गई। ट्रक में भी आग लग गई और उसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई।' उन्होंने आगे कहा, 'बस में चालक और कंडक्टर समेत 32 लोग सवार थे। उनमें से 21 को बाहर निकाल लिया गया है। पांच से छह लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, उनकी हालत गंभीर नहीं है।'

दिल्ली में जबरन शराब पिलाकर नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके समयपुर बादली में 13 वर्षीय एक लड़की को जबरन शराब पिलाकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान बादली निवासी बैंक कर्मचारी ऋषभ (26) और राजा विहार में सैलून मालिक - नरोत्तम उर्फ नेता (28) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 20 दिसंबर की शाम पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली कि राजा विहार में एक लड़की को जबरन शराब पिलाई गई।

घटनास्थल पर तुरंत पहुंची पुलिस की एक टीम को पीड़िता के पिता ने शुरू में बताया था कि उनकी बेटी ने शराब का सेवन किया था। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर स्वामी ने कहा, बाद में पूछताछ और पीड़िता के बयान दर्ज किए जाने पर गंभीर अपराध का खुलासा हुआ।पुलिस ने बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान नाबालिग ने खुलासा किया कि राजा विहार में उसे बहला-फुसलाकर एक खाली घर में ले जाया गया था जहां उसे जबरन शराब पिलाई गई और उससे दुष्कर्म किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि वह घर नरोत्तम का था।

अधिकारी ने बताया कि पीड़िता के बयान और चिकित्सा परीक्षण के आधार पर 21 दिसंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (सामूहिक दुष्कर्म) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए समय पर जांच के लिए पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की देखरेख में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया और गहन जांच की जा रही है।

'हिंदू एक नहीं हुए तो भारत की हर गली में होंगे बांग्लादेश जैसे हालात' धीरेंद्र शास्त्री ने दे डाली बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर अपने तीखे बयानों से देश के सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। छत्तीसगढ़ के भिलाई प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश के मौजूदा हालातों का हवाला देकर भारतीय हिंदुओं को एकजुट होने की नसीहत दी है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि यदि समय रहते हिंदू समाज संगठित नहीं हुआ, तो आने वाला भविष्य चुनौतीपूर्ण हो सकता है। पंडित शास्त्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हालिया हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 'यदि आप भारत में बांग्लादेश जैसी भयावह स्थिति नहीं देखना चाहते, तो अभी संभलने का सही समय है। यदि हिंदू एक नहीं हुए, तो जो आज वहां हो रहा है, वह भारत की गली-गली में देखने को मिल सकता है।' गौरतलब है कि हाल ही में बांग्लादेश के मैमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करने और शव को आग के हवाले करने जैसी हृदयविदारक घटना सामने आई है।

अब प्राइवेट स्कूल नहीं बढ़ा सकेंगे अपनी मर्जी से फीस, सरकार ने लागू की नई व्यवस्था

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों में मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की शिकायतों पर बड़ा और सख्त कदम उठाया है। अब राजधानी के हर निजी स्कूल में स्कूल स्तर पर फीस नियंत्रण समिति का गठन करना अनिवार्य होगा। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि यह फैसला दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीज) एक्ट, 2025 और उससे जुड़े नियमों के तहत लिया गया है, जिन्हें 10 दिसंबर 2025 को अधिसूचित किया गया था। माना जा रहा है कि इस फैसले से अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने साफ कहा कि अब कोई भी निजी स्कूल मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा पाएगा। यदि किसी स्कूल को फीस बढ़ानी है, तो उसे ठोस कारणों के साथ प्रस्ताव फीस नियंत्रण समिति के सामने रखना होगा। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में विस्तृत आदेश जारी किया है, जो एक्ट की धारा 2(13) के तहत परिभाषित हर 'स्कूल' पर लागू होगा। यह आदेश शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रभावी होगा। सरकार का कहना है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य फीस निर्धारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है।

11 सदस्यीय इस फीस नियंत्रण समिति में 5 सदस्य अभिभावकों के प्रतिनिधि होंगे, जिससे माता-पिता की भागीदारी और निगरानी मजबूत होगी। बाकी सदस्य स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों के प्रतिनिधि होंगे। फीस बढ़ाने से जुड़े सभी प्रस्ताव 25 जनवरी 2026 तक समिति के सामने रखना अनिवार्य होगा और चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जा सकेगा। इसके अलावा, सिर्फ स्कूल स्तर पर ही नहीं, बल्कि जिला स्तर पर भी फीस नियंत्रण समितियां बनाई जाएंगी। ये समितियां अनियमितताओं पर नजर रखेंगी और अभिभावकों की शिकायतों की सुनवाई करेंगी। सरकार ने साफ कर दिया है कि 2026-27 से एक्ट और नियमों में तय समयसीमा का सख्ती से पालन किया जाएगा।

आईएलटी20 : कॉक्स-जहांगीर के अर्धशतक दुबई कैपिटल्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

दुबई **(एजेंसी)**। जॉर्डन कॉक्स (नाबाद 61) और शायन जहांगीर (51) के अर्धशतकों की मदद से दुबई कैपिटल्स ने कम स्कोर वाले मैच में शारजाह वॉरियर्स को हराकर आईएल टी20 प्लेऑफ में जगह बनाई। अब तीन टीमों ने आईएल टी20 नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि गल्फ जायंट्स, शारजाह वॉरियर्स और अबू धाबी नाइट राइडर्स अब आखिरी जगह के लिए मुकाबला कर रही हैं।

बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के बाद वॉरियर्स ने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की, उनके सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स और मोनांक पटेल ने नई गेंद का फायदा उठाते हुए कुछ शुरुआती चौके लगाए। लेकिन बाद वाले 24 रन बनाकर डेविड विली के सीधे थ्रो पर रन-आउट हो गए। धीमी पिच पर कैपिटल्स ने पांचवें ओवर में स्पिन गेंदबाजी शुरू की, और वॉरियर्स के लिए रन बनने बंद हो गए।

हैदर अली ने टॉम एबेल को बोल्ड किया और अगले ओवर में टॉम कोहलर-कैडमोर को स्टंप

आउट किया। उन्होंने लगातार चार ओवर गेंदबाजी की और 4-0-13-2 के आंकड़े के साथ समाप्त किया, लेकिन सिकंदर रजा की गेंद पर कीपर द्वारा कैच छोड़ने के बाद उन्हें तीसरा विकेट भी मिल सकता था।

इस सब के बीच, चार्ल्स स्ट्राइक रोटेट करते रहे और फिर मोहम्मद नबी को एक छक्का और एक चौका लगाया जिसमें बाद वाला स्विच-हिट से आया था। लेकिन, वॉरियर्स के लिए चीजें खराब होती गईं।

रजा ने मुस्तफिजुर रहमान को एक आसान कैच दिया जबकि सेट बल्लेबाज चार्ल्स वकार सलामखैल की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हो गए। उन्होंने उसी ओवर में एथन डिसूजा को बोल्ड किया, जबकि जेम्स रीव ने एक गेंद सीधे शॉटर् कवर पर मार दी और विकेट गिरते रहे। हरमीत सिंह और आदिल राशिद ने आखिरी दो ओवरों में चौके और छक्के लगाकर वॉरियर्स का स्कोर 8 विकेट पर 134 रन तक पहुंचाया जिसमें आखिरी तीन ओवरों में 33 रन बने। वॉरियर्स ने तुरंत रजा के जरिए स्पिन गेंदबाजी शुरू की और तीसरे ओवर में हरमीत को गेंद सौंपी, जिन्होंने सेदिकुल्लाह अटल का विकेट लिया। वॉरियर्स के तेज गेंदबाज़ों ने भी धीमी गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में मुश्किल हुई। हरमीत अपने दूसरे ओवर में कॉक्स और जहांगीर का विकेट ले सकते थे, जिसमें कॉक्स ने लगभग एक शॉट शॉर्ट कवर पर मारा था, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी का कैच टॉम कोहलर-कैडमोर ने लॉन्ग-ऑफ पर छोड़ दिया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट : तेज गेंदबाजों के सहारे मैदान में उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, इंग्लैंड पर जीतने का दबाव

मेलबर्न **(एजेंसी)**। इस समर यह दूसरी बार और पिछले पांच टेस्ट में तीसरी बार होगा, जब ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह ऑल-पेस आक्रमण के साथ किसी टेस्ट मैच में उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम-12 में नाथन लियोन की जगह आए टॉड मर्फी को एक बार फिर जगह नहीं मिली है। हालांकि कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में उनके खेलने का अच्छा मौक़ा रहेगा।

माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचडर्सन में से कोई दो अंतिम एकादश का हिस्सा होंगे। अगर रिचडर्सन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे खिसकाकर नंबर 7 पर भेजा गया है। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। बल्ले से खराब फॉर्म में चल रहे जॉश इंगलिस और अपनी बारी का इंतजार कर रहे बो वेबस्टर, मर्फी के अलावा अंतिम-12 से बाहर होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित) : 1 जेक वेदराल्ड, 2 ट्रैविस हेड, 3 मार्नस लाबुशेन, 4 स्टीवन स्मिथ (कप्तान), 5 उस्मान ख्वाजा, 6 ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), 7 कैमरन ग्रीन, 8 माइकल नीसर, 9 मिचेल स्टार्क, 10 ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचडर्सन, 11 स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड ने पिछले 24 घंटों के विवाद के बावजूद बेन डकेट का समर्थन किया है। लेकिन ऑली पोप को उनके निराशाजनक प्रदर्शन की कीमत चुकानी पड़ी है और जेकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए बुलाया गया है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गए हैं, जिससे गस एटकिंसन की वापसी हुई है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर के लिए अब भी कोई जगह नहीं है।

इंग्लैंड : 1 जैक क्रॉली, 2 बेन डकेट, 3 जेकब बेथेल, 4 जो रूट, 5 हैरी ब्रूक, 6 बेन स्टोक्स (कप्तान), 7 जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), 8 विल जैक्स, 9 गस एटकिंसन, 10 ब्राइडन कार्स, 11 जॉश टंग

मेलबर्न के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि वह पिछले सीजन में भारत के खिलाफ खेले गए उस रोमांचक टेस्ट जैसी पिच तैयार करने की उम्मीद कर रहे हैं, जो पांचवे दिन थोड़ा टूटा था। उस मौके पर पिच पर 7 मिमी घास छोड़ी गई थी, जिससे हर किसी को कुछ-न-कुछ मिला था।

अडानी की शॉपिंग लिस्ट ने चौंकाया 33 डील्स पर खर्च किए 80, 000 करोड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जनवरी 2023 से अब तक अडानी ग्रुप ने अपने विभिन्न बिजनेस में करीब 80, 000 करोड़ रुपए (9.6 अरब डॉलर) के 33 अधिग्रहण किए हैं। खास बात यह है कि यह विस्तार ऐसे समय हुआ जब समूह पर गंभीर फ्रॉड के आरोप लगे थे। इन डील्स के जरिए अडानी ग्रुप ने न सिर्फ निवेशकों का भरोसा वापस जीतने की कोशिश की, बल्कि यह संकेत भी दिया कि ग्रुप के पास पूंजी और कैश फ्लो की कोई कमी नहीं है।

सेक्टर के लिहाज से देखें तो पोर्ट बिजनेस सबसे आगे रहा, जहां 28, 145 करोड़ रुपए के अधिग्रहण किए गए। इसके बाद सीमेंट सेक्टर में 24, 710 करोड़, पावर सेक्टर में 12, 251 करोड़, नए और उभरते व्यवसायों में 3, 927 करोड़, जबकि ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में 2, 544 करोड़ रुपए की डील हुई। हालांकि, कर्ज में डूबे जेपी ग्रुप के 13, 500 करोड़ रुपए के प्रस्तावित अधिग्रहण को इस आंकड़े में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि यह डील अभी पूरी होनी बाकी है।

2023 की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और शेयरों में हेरफेर के आरोप लगाए थे, जिन्हें समूह ने सिरे से खारिज किया। इसके बाद ग्रुप ने कर्ज घटाने, इक्विटी निवेश बढ़ाने और पूंजी आवंटन को सख्त करने पर फोकस किया। पोर्ट, सीमेंट और पावर जैसे कोर बिजनेस में लगातार अधिग्रहण कर ग्रुप ने अपने कैश फ्लो और ऑपरेशनल मजबूती को बनाए रखा।

पिछले तीन वर्षों में हुए सौदों में सबसे बड़ा सौदा अप्रैल 2025 में अडानी पोर्ट्स द्वारा ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का 21, 700 करोड़ रुपये में अधिग्रहण रहा। वहीं, सीमेंट सेक्टर में अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के जरिए कई बड़े अधिग्रहण किए गए, जिनमें पेन्ना सीमेंट (10, 422 करोड़) और ओरिएंट सीमेंट (8, 100 करोड़) प्रमुख हैं।

पोर्ट सेक्टर में कराईकल पोर्ट, गोपालपुर पोर्ट और एस्ट्रो ऑफशोर के साथ-साथ तंजानिया के दार-एस-सलाम पोर्ट का विदेशी अधिग्रहण भी शामिल है। पावर सेक्टर में लैंको अमरकंटक, विदर्भ इंडस्ट्रीज और कोस्टल एनर्जेन जैसी कंपनियों को खरीदा गया।

पीवी सिंधु चुनी गईं बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को बुधवार को 2026-2029 कार्यकाल के लिए बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुना गया। इस भूमिका में अब पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड् फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) काउंसिल मेंबर के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों को इस संस्था के ग्लोबल गवर्नेंस में सीधी आवाज मिलेगी।

नीदरलैंड की डेबोरा जिल, जो यूरोपियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं, भारतीय बैडमिंटन स्टार की डिप्टी होंगी। सिंधु ने कहा, 'साथी एथलीटों द्वारा यह ज़िम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।'

उन्होंने कहा, 'हमारे खूबसूरत खेल को खेलने वाले हर किसी के लिए आवाज बनने का यह एक शानदार मौका है। मैं हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं।'

इस साल की तुलना में पिछली बार ज्यादा दबाव था, एसए 20 से पहले बोले राशिद खान

केप टाउन **(एजेंसी)**। एमआई केप टाउन के कप्तान राशिद खान ने कहा कि पिछले सीजन में ट्रॉफी जीतने के बाद शुक्रवार से शुरू होने वाले एसए 20 सीजन में उनकी टीम पर कम दबाव है। डिफेंडिंग चैंपियन शुक्रवार को न्यूलैंड्स में एक नई टीम डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने टाइटल को बचाने के लिए मैदान में उतरेगी। राशिद के अलावा, टीम में प्रोटियाज के स्टार खिलाड़ी कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश के साथ ट्रेंट बोल्ट और नए खिलाड़ी निकोलस पूरन भी हैं।

राशिद ने कहा, 'पिछले साल इस साल की तुलना में ज्यादा दबाव था, आप जानते हैं कि हम लगातार दो बार सबसे नीचे आए थे और वहां से ऊपर आकर ट्रॉफी जीतना हमारे लिए एक टीम के तौर पर बहुत बड़ी बात थी। मुझे लगता है कि हमने जो सही किया वह यह था कि हमने एक टीम के तौर पर मिलकर खेला और खेल के कुछ खास मौकों पर जिम्मेदारी ली। हर खिलाड़ी अनुभवी है, और वे खुद को हालात और टीम की स्थिति के हिसाब से बहुत जल्दी ढाल लेंगे। हर कोई बहुत प्रोफेशनल है, उन्होंने दुनिया भर में बहुत क्रिकेट खेला है और मुझे लगता है कि उनके लिए माहौल में ढलना ज़्यादा मुश्किल नहीं होगा।'

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि पूरन अपनी नई टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, 'वह (पूरन) खेल में बहुत ज्यादा एनर्जी लाएंगे। हम जानते हैं कि वह कितने खतरनाक और कितने अच्छे क्रिकेटर हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो आते ही बहुत सारे छक्के लगाते हैं, आप देखेंगे। वह एनर्जी और मनोरंजन से भरपूर इंसान हैं और मुझे यकीन है कि उन्हें यहां अपना समय बहुत पसंद आएगा।'

इस साल 24 बड़े शहरों में औद्योगिक लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में इस साल औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जिसमें 24 बड़े शहरों में कुल 7.65 करोड़ वर्ग फुट की जगह को पट्टे पर लिया गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सेविल्स ने यह जानकारी दी। सेविल्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, इन जगहों में 29 प्रतिशत स्थान निर्माण क्षेत्र ने पट्टे पर लिया, 28 प्रतिशत जगह तृतीय पक्ष की लॉजिस्टिक कंपनियों ने और 12 प्रतिशत ई-कॉमर्स कंपनियों ने ली।

सेविल्स इंडिया ने बताया, 'भारत का औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र महामारी के बाद भी तेजी से बढ़ रहा है और इस साल इसका वार्षिक पट्टा लेने का स्तर 7.65 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है।' पिछले साल 2024 में औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की पट्टेदारी 6.45 करोड़ वर्ग फुट थी। इस साल कुल पट्टेदारी में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इन शहरों में इस साल 5.95 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जबकि 2024 में यह 4.97 करोड़ वर्ग फुट थी। दिल्ली-एनसीआर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा, जहां इस साल 1.3 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जबकि 2024 में यह 98 लाख वर्ग फुट थी।

भारत की नजरें श्रीलंका के खिलाफ तीसरा टी20 और श्रृंखला जीतने पर

तिरूवनंतपुरम **(एजेंसी)**। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है।

हरफनमौला दीप्ति शर्मा बुखार के कारण दूसरा टी20 नहीं खेल पाई लेकिन उनकी जगह आई स्नेह राणा ने चार ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम को हालांकि क्षेत्ररक्षण पर काम करना होगा चूंकि पहले मैच में पांच कैच छूटे थे हालांकि दूसरे मैच में तीन रन आउट किए। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम यहां अगले तीन मैचों में प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी।

दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद है कि जगह बदलने से उसकी किस्मत भी बदलेगी हालांकि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। श्रीलंका को दोनों मैचों में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। पहले मैच में विष्मी गुणरत्ने ने 43 गेंद में 39 रन बनाये जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा आक्रामक पारियां नहीं खेल सके। दूसरे मैच में चामरी अटापट्टू के आउट होने के बाद श्रीलंका ने 26 रन के भीतर छह विकेट गंवा दिए।

टीमें :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

समय : शाम 7 बजे।

सिग्नेचर ग्लोबल गुरुग्राम में नई आवासीय परियोजना में 4, 800 करोड़ रुपए का करेगी निवेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल मजबूत उपभोक्ता मांग के मद्देनजर कारोबार विस्तार की रणनीति के तहत गुरुग्राम में एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 4, 800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। रियल एस्टेट कंपनी ने हाल ही में 13.56 एकड़ में फैली एक नई परियोजना 'सर्वम एट डीएक्सपी एस्टेट' का शुभारंभ किया है। गुरुग्राम के सेक्टर 37डी में द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित इस परियोजना में 1, 798 अपार्टमेंट होंगे। पहले चरण में कंपनी कुल इकाइयों में से 50 प्रतिशत को तीन से चार रुपए प्रति इकाई की कीमत में बिक्री के लिए पेश कर रही है।

सिग्नेचर ग्लोबल के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, "इस परियोजना के विकास में कुल निवेश करीब 4, 800 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।" कंपनी इस निवेश की मुख्य राशि आंतरिक स्रोतों से जुटाएगी, जिसमें ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम राशि भी शामिल है। निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा और परियोजना के 2032 तक पूरा होने की उम्मीद है।

जिस गाने ने दिव्या भारती को बनाया सुपरस्टार उसी गाने के रीक्रिएट वर्जन से ट्रोल हो रहीं हैं अनन्या

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी क्लासिक फिल्मों के गानों को रीक्रिएट करने का चलन जोरों पर है, लेकिन हर बार यह एक्सपेरिमेंट सक्सेस नहीं होता है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के भी कुछ ऐसे ही किस्से हैं। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले इसके नए गाने 'सात समंदर पार 2।0' को आउट किया गया है, लेकिन उम्मीद के उलट इस गाने को सोशल मीडिया पर जबरदस्त विरोध और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस गाने के बाद दिव्या भारती और कार्तिक आर्यन जमकर ट्रोल हो रहें हैं। सोशल मीडिया पर जमकर लोग इस गाने के बारे में बोल रहें हैं।

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस दिव्या भारती और सनी देओल की फिल्म 'विश्वात्मा' का गाना 'सात समंदर पार' आज भी पार्टियों और शादियों की जान माना जाता है। इस गाने से दिव्या भारती सुपरस्टार बन गईं थीं। साउथ में तो उनका जलवा था ही लेकिन बॉलीवुड में इस गाने ने उन्हें स्टारडम दिखाया। लेकिन नई फिल्म में इस जोशीले डांस नंबर को 'स्लो और लूफी' वर्जन में पेश किया गया है। करण नानवानी द्वारा गाए और कंपोज किए गए इस नए वर्जन में ओरिजिनल गाने के बोल में भी थोड़े बदलाव किए गए हैं। सॉन्ग लवर्स का कहना है कि जिस गाने पर लोग झूमते थे, उसे 'सैड सॉन्ग' जैसा बनाकर बर्बाद कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर इस गाने के सैड वर्जन से लोग बहुत नाराज हैं। वहीं इस गाने के कई मीम भी वायरल हो रहें हैं।

इस फिल्म में मेकर्स ने कार्तिक और अनन्या की रोमांटिक केमिस्ट्री को दिखाने की कोशिश की है, लेकिन गाने के धीमे म्यूजिक ने रोमांस के बजाय लोगों को सिरदर्द दे दिया है। भारी आलोचना के बावजूद, मेकर्स को उम्मीद है कि 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी। 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें कार्तिक आर्यन एक बार फिर चॉकलेटी बॉय के अंदाज में नजर आएंगे। अनन्या पांडे के साथ उनकी जोड़ी 'पति पत्नी और वो' के बाद दोबारा पर्दे पर लौट रही है।

हिजाब कॉन्ट्रोवर्सी में हुई एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे की एंट्री, नीतीश कुमार पर की कार्रवाई करने की मांग

बिहार की राजनीति और सामाजिक गलियारों में इन दिनों एक वीडियो ने भूचाल ला दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला डॉक्टर के हिजाब को हटाते नजर आ रहे हैं। 15 दिसंबर को आयोजित आयुष डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की यह घटना अब एक राष्ट्रीय विवाद का रूप ले चुकी है। इस संवेदनशील मुद्दे पर अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की हस्तियों ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। भोजपुरी सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया है। इससे पहले राखी सावंत ने और सना खान ने भी इसपर अपना रिएक्शन दिया था और नीतीश कुमार को जमकर सुनाया था। इस वीडियो के आने के बाद नीतीश कुमार बहुत ज्यादा ट्रोल हुए थे।

भोजपुरी जगत की 'क्वीन' कही जाने वाली आम्रपाली दुबे अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। इस विवाद पर रिएक्शन देते हुए उन्होंने पर्सनल फ्रीडम और सम्मान की बात कही है। आम्रपाली ने कहा– 'मेरा स्पष्ट मानना है कि पहनावा हर व्यक्ति की निजी पसंद का विषय है। किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरों की पसंद में दखल दे। अगर इस घटना से किसी की भावनाओं को चोट पहुंची है, तो इसकी जांच होनी चाहिए और उचित कार्रवाई की आवश्यकता है। हमें हर हाल में दूसरों की धार्मिक और व्यक्तिगत भावनाओं का आदर करना चाहिए।'

इसके पहले जावेद अख्तर ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जमकर सुनाया था। उन्होंने कहा था कि 'जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं पारंपरिक पर्दे की प्रथा के खिलाफ हूं, लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि मुख्यमंत्री ने एक महिला डॉक्टर के साथ जो किया, मैं उसका समर्थन करूं। नीतीश कुमार का यह काम बेहद निंदनीय है। उन्हें उस महिला डॉक्टर से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।'

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पटना में आयुष डॉक्टरों की नियुक्ति का कार्यक्रम चल रहा था। मंच पर एक मुस्लिम महिला डॉक्टर, नुसरत परवीन, अपना नियुक्ति पत्र लेने पहुंची। वीडियो में देखा गया कि मुख्यमंत्री ने बातचीत के दौरान अचानक उनके चेहरे से हिजाब को हटा दिया। देखते ही देखते यह क्लिप वायरल हो गई। जिसके बाद नीतीश कुमार जमकर ट्रोल हो रहें हैं।

कंधमाल में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, टॉप कमांडर गणेश उइके समेत 5 माओवादी ढेर

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के कंधमाल जिले में चलाए गए एक बड़े माओवादी विरोधी अभियान में दो दिवसीय तलाशी अभियान के दौरान पांच माओवादी मारे गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बुधवार को बेलघर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुम्मा वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो माओवादी शहीद हो गए। गुरुवार को चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नारिग झोला वन क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में तीन और माओवादी मारे गए। विशेष खुफिया शाखा (एसआईडब्ल्यू) से मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर, सुरक्षा बलों ने कंधमाल के चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र और राम्भा वन क्षेत्र में गंजाम जिले के आसपास के इलाकों में 23 टीमों, 20 विशेष अभियान समूह (एसओजी) टीमों, दो सीआरपीएफ टीमों और एक बीएसएफ टीम के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया। 25 दिसंबर, 2025 की सुबह एसओजी टीमों की मौजूदगी में कई स्थानों पर गोलीबारी की कई घटनाएं हुईं।

तलाशी अभियान के बाद, सुरक्षा बलों ने वर्दीधारी चार माओवादी शव (दो पुरुष और दो महिलाएं) बरामद किए, साथ ही दो आईएनएसएएस राइफलें और एक .303 राइफल भी बरामद की। मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान गणेश उइके के रूप में हुई है, जो केंद्रीय समिति के सदस्य और ओडिशा में माओवादी गतिविधियों के प्रमुख थे। अन्य तीन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि आगे तलाशी अभियान जारी है और अब माना जा रहा है कि देवूजी ही इस क्षेत्र में सक्रिय एकमात्र प्रमुख माओवादी नेता बचे हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुराना की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह के दौरान आत्मसमर्पण हुआ। आत्मसमर्पण करने वाले जवानों ने एके-47 राइफलों और सेल्फ-लोडिंग राइफलों (एसएलआर) सहित हथियारों का जखीरा जमा कराया और ओडिशा पुलिस नक्सल आत्मसमर्पण के बैनर तले उन्हें पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने कहा कि आज 22 नक्सलियों ने अपने हथियारों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण किए गए हथियारों में एके सीरीज राइफलें और इंसास राइफलें शामिल हैं। मुझे उम्मीद है कि अन्य नक्सली भी आत्मसमर्पण करेंगे और मुख्यधारा में शामिल होंगे। मैं सभी नक्सलियों से हिंसा छोड़ने की अपील करता हूं, क्योंकि सरकार ने उनके पुनर्वास के लिए सभी व्यवस्थाएं कर दी हैं।

सुशासन दिवस पर अटल जी को शीर्ष नेतृत्व का नमन, राष्ट्रपति-पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी को एक ऐसे राजनेता के रूप में वर्णित किया, जिनका आचरण, गरिमा और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता भारतीय राजनीति के लिए एक मिसाल कायम करती है।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन पहलू वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट

में लिखा कि आदरणीय अटल जी की जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर है। उनका आचरण, गरिमा, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा और उन्होंने कहा कि नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि आचरण से परिभाषित होता है। संस्कृत के एक सुभाषित का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि महान नेताओं के कर्म समाज का मार्गदर्शन करते हैं, और उन्होंने कहा कि यह जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि उत्कृष्टता पद से नहीं, बल्कि आचरण से स्थापित होती है, और यही समाज का मार्गदर्शन करता है। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और वे तीन बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए।

वाजपेयी दशकों तक भाजपा का चेहरा रहे और वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी ने 16 मई, 1996 से 1 जून, 1996 तक और फिर 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनका निधन 16 अगस्त, 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में हुआ।

शशि थरूर का बड़ा बयान : अवैध घुसपैठ सरकार की विफलता, सीमा पर हो कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत की सीमाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए सरकार की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि अवैध अप्रवासियों की मौजूदगी व्यवस्थागत विफलताओं को दर्शाती है, जिन्हें सख्ती और कानूनी रूप से दूर करने की आवश्यकता है। बुधवार को एएनआई से बात करते हुए थरूर ने कहा कि अगर लोग अवैध रूप से देश में प्रवेश कर रहे हैं या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुक रहे हैं, तो यह सीमा प्रबंधन और आव्रजन नियंत्रण में खामियों की ओर इशारा करता है।

थरूर ने पूछा कि अगर अवैध अप्रवासी हमारे देश में आ रहे हैं, तो क्या यह हमारी विफलता नहीं है? क्या हमें अपनी सीमाओं को बेहतर ढंग से नियंत्रित नहीं करना चाहिए?' उन्होंने आगे कहा कि सरकार को ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, अगर कोई भी इस देश में अवैध रूप से है या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुका हुआ है, तो सरकार को उन्हें निर्वासित करने का अधिकार है। इसलिए सरकार को इस मामले में अपना काम करने दें।

कानून के शासन का पालन करने पर जोर देते हुए, थरूर ने संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता को भी दोहराया, विशेष रूप से राजनीतिक और मानवीय पहलुओं से जुड़े संवेदनशील सीमा पार मामलों में। इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश में रहने की अनुमति देने के भारत के फैसले का बचाव करते हुए इसे मानवीय मूल्यों पर आधारित कदम बताया। थरूर ने कहा कि भारत ने उन्हें वापस न भेजने का निर्णय लेकर 'सही मानवीय भावना' का परिचय दिया है, और भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और वर्षों से देश की एक विश्वसनीय मित्र के रूप में उनकी भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि निर्वासन या प्रत्यर्पण से संबंधित मामले संधियों और अपवादों सहित जटिल कानूनी ढांचों द्वारा नियंत्रित होते हैं, जिनकी सावधानीपूर्वक समीक्षा आवश्यक है। थरूर ने कहा, 'बहुत कम लोग कानूनी मुद्दों, संधि दायित्वों और उनमें निहित अपवादों को पूरी तरह समझते हैं, ' और कहा कि ऐसे निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ दिए जाने चाहिए।

अंधेरी पश्चिम इलाके में आवासीय इमारत में आग, 40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुम्बई **(एजेंसी)**। राज्य के अंधेरी पश्चिम इलाके में स्थित 23 मंजिला आवासीय इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद लगभग 40 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना वीरा देसाई रोड पर कंट्री क्लब के पास सोरेंटो टॉवर में सुबह करीब 10 बजे हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं मंजिल से सीढ़ियों के माध्यम से 30-40 लोगों को नीचे उतारा गया, जबकि एक महिला सहित तीन अन्य लोगों को 15वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

उन्होंने बताया कि आग से 10वीं से 21वीं मंजिल के बीच स्थित विद्युत शाफ्ट में तार और अन्य उपकरण प्रभावित हुए, साथ ही विभिन्न मंजिलों पर 'डक्ट' के पास स्थित राउटर, जूतों की अल्मारियां और लकड़ी के फर्नीचर प्रभावित हुए। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने कम से कम चार दमकल वाहन और अन्य साजो सामान की मदद से सुबह 11:37 बजे आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल : सुप्रिया श्रीनेत बोलीं- यह सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने और उसे जमानत देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले की कड़ी आलोचना की है। बुधवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए श्रीनाते ने कहा, 'हत्या और सामूहिक बलात्कार का दोषी पाया गया व्यक्ति, जो आजीवन कारावास की सजा काट रहा था, उसे छह साल में रिहा कर दिया गया। उसे छह साल में जमानत मिल गई। यह किस तरह का न्याय है? क्या इस देश में बेटियों को न्याय मिलेगा?'

सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा, 'जब वह बेटी और उसकी मां इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, तब दिल्ली पुलिस ने जिस क्रूरता से उन्हें घसीटा, जिस अमानवीयता से उनके साथ व्यवहार किया। यह एक सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा है। मैं अदालत से अपील करती हूं कि वह इस मामले का स्वतः संज्ञान ले और इस फैसले को पलट दे।' उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में, एक मां के रूप में, मैं अपील करती हूं कि अदालत को इस मामले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घोषणा की है कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश की जांच करने के बाद, एजेंसी ने जल्द से जल्द विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने का निर्णय लिया है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहाःसीबीआई ने कुलदीप सिंह सेंगर की सजा के निलंबन और जमानत दिए जाने को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर करने का निर्णय लिया है।

आरोपी ने जमानत याचिका के साथ अपील भी दायर की थी, जिसका सीबीआई और पीड़ित परिवार दोनों ने कड़ा विरोध किया था। सीबीआई ने याचिका का विरोध करते हुए विस्तृत लिखित दलीलें प्रस्तुत की थीं।

पेंटागन की चेतावनी, लद्दाख के बाद अब अरुणाचल बनेगा भारत-चीन विवाद का नया केंद्र

बीजिंग **(एजेंसी)**। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सेनाओं की वापसी के बाद भले ही सीमा पर शांति की उम्मीद जगी हो, लेकिन अमेरिकी रक्षा विभाग की एक ताजा रिपोर्ट ने भविष्य के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अरुणाचल प्रदेश को ताइवान की तरह ही अपने 'मुख्य हितों' में शामिल कर लिया है।

अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन 2049 तक 'महान पुनरुत्थान' के अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहता है। इसके तहत, चीन अरुणाचल प्रदेश, ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर अपना पूर्ण दावा ठोक रहा है।

बीजिंग का लक्ष्य 2049 तक एक ऐसी 'विश्व स्तरीय सेना' तैयार करना है जो वैश्विक स्तर पर किसी भी युद्ध को 'लड़ने और जीतने' में सक्षम हो।

चीन अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' कहता है। वह 1914 में अंग्रेजों द्वारा खींची गई मैकमोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता। चीन की नजर विशेष रूप से तवांग पर है। पहले उसका दावा सिर्फ तवांग तक सीमित था, लेकिन अब उसने पूरे अरुणाचल प्रदेश को विवादित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

भारत पर दबाव बनाने के लिए चीन समय-समय पर अरुणाचल के विभिन्न स्थानों के लिए 'चीनी नामों' की फर्जी लिस्ट जारी करता रहता है।

हाल की कुछ घटनाओं ने इस तनाव को और हवा दी है। पिछले महीने, लंदन से जापान जा रही अरुणाचल की रहने वाली प्रेमा थोंगडोक को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे हिरासत में रखा गया। चीनी अधिकारियों का दावा था कि उनके पासपोर्ट पर जन्मस्थान 'अरुणाचल' होना उसे 'अमान्य' बनाता है।

हाल ही में एक यूट्यूबर को चीन में सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि उसने अपने वीडियो में अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताया था।

पूर्व राजनयिक महेश सचदेव के अनुसार, यह पहली बार है जब अमेरिका ने लद्दाख के बजाय अरुणाचल प्रदेश पर चीन की चालों पर खुलकर बात की है। यह दर्शाता है कि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चीन की विस्तारवादी नीति को गंभीरता से लिया जा रहा है।

बांग्लादेश में बड़ा राजनीतिक भूचाल!

शेख हसीना की अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध, अंतरिम सरकार का बड़ा ऐलान

ढाका **(एजेंसी)**। देश में व्याप्त राजनीतिक उथल-पुथल और राजनीतिक परिदृश्य में आए बड़े बदलाव के बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पुष्टि की है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग, अपनी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध के कारण फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में भाग नहीं लेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने घोषणा की कि अवामी लीग, जिसकी राजनीतिक गतिविधियां वर्तमान में देश में प्रतिबंधित हैं, आगामी राष्ट्रीय चुनावों में भाग नहीं ले पाएगी। बुधवार को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की बैठक के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, आलम ने एक पत्रकार के उस प्रश्न के उत्तर में यह टिप्पणी की, जिसमें कथित तौर पर अमेरिकी सांसदों द्वारा मुख्य सलाहकार को अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त करते हुए भेजे गए पत्र का

जिक्र था। उन्होंने कहा कि उन्होंने पत्र नहीं देखा है और उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अवामी लीग के संबंध में सरकार का रुख स्पष्ट है। सचिव ने कहा, 'चूंकि अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द कर दिया है, इसलिए अवामी लीग इस चुनाव में भाग नहीं ले पाएगी।' पार्टी का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है और इसके नेताओं पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चल रहा है। इससे पहले मई में, अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश अवामी लीग और इसके संबद्ध, सहयोगी और भाईचारे वाले संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाली राजपत्र अधिसूचना जारी की थी। यह निर्णय अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमों के पूरा होने तक लागू रहने की बात कही गई थी। उस समय, राजपत्र गृह मंत्रालय के लोक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी किया गया था। अधिसूचना में कहा गया था कि यह कार्रवाई आतंकवाद विरोधी (संशोधन) अध्यादेश के तहत की गई है। पिछले साल जुलाई में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार को सत्ता से हटाए जाने के लगभग एक साल बाद बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि राज्याभिषेक होगा।

17 साल के निर्वासन के बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान, ढाका में विशाल जनसभा को किया संबोधित

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने लगभग दो दशकों के निर्वासन के बाद वतन वापसी की है। बुधवार को ढाका में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने देश के भविष्य के लिए अपना विजन पेश किया। हजारों समर्थकों की भीड़ के सामने तारिक रहमान ने अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर के प्रसिद्ध भाषण का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरे पास एक योजना है।' उन्होंने कहा कि यह योजना तभी सफल होगी जब देश की जनता का सामूहिक समर्थन मिलेगा।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बांग्लादेश मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध और ईसाई, सभी धर्मों के लोगों का साझा घर है।

रहमान ने हाल ही में मारे गए कार्यकर्ता उस्मान हादी को श्रद्धांजलि दी। हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। प्रदर्शनकारी इस हत्या के पीछे 'भारतीय हाथ' होने का दावा कर रहे हैं, जिससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास और बढ़ गई है।

तारिक रहमान की वापसी ऐसे समय में हुई है जब देश में सांप्रदायिक हिंसा की खबरें आ रही हैं। कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपु चंद्र दास नामक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के बीच भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की है।वतन लौटने के बाद तारिक रहमान ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की और देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।

बांग्लादेश में प्रेस की आजादी पर हमला, 'ग्लोबल टीवी' को दफ्तर जलाने की धमकी, न्यूज हेड को हटाने का दबाव

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद भी पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामले में, ढाका स्थित 'ग्लोबल टीवी' के दफ्तर में कुछ युवकों ने घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की धमकी दी है। हमलावरों ने न्यूज हेड नाज़नीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से हटाने की मांग की है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में 7-8 युवक 'ग्लोबल टीवी' के तेजगांव स्थित दफ्तर पहुंचे। उन्होंने खुद को 'भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन' का सदस्य बताया। इन युवकों ने न्यूज हेड नाज़नीन मुन्नी पर 'अवामी लीग' (शेख हसीना की पार्टी) का समर्थक होने का आरोप लगाया और मैनेजमेंट को उन्हें हटाने की चेतावनी दी।

नाज़नीन मुन्नी ने सोशल मीडिया पर इस घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमलावरों ने सीधे तौर पर कहा, 'अगर मुन्नी को नहीं हटाया गया, तो हम दफ्तर में आग लगा देंगे। याद रहे, प्रोथोम आलो और द डेली स्टार (बांग्लादेश के बड़े अखबार) भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाए।'

बता दें कि 21 दिसंबर को भीड़ ने बांग्लादेश के प्रमुख अखबारों 'प्रोथोम आलो' और 'द डेली स्टार' के दफ्तरों में भीषण तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

यह तनाव भारत विरोधी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद और बढ़ गया है। हमलावरों का आरोप है कि ग्लोबल टीवी ने हादी की मौत को पर्याप्त कवरेज नहीं दी। उस्मान हादी अपनी भारत विरोधी बयानबाजी के लिए मशहूर थे और हाल ही में एक हमले में लगी चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

मुन्नी ने अवामी लीग से किसी भी जुड़ाव के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, 'मैनेजमेंट ने शुरू में मुझे चुप रहने और ऑफिस न आने की सलाह दी थी, लेकिन मैं चुप नहीं रहूंगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 : पीआरवाइजे-सिग-035-2025-26

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं. : 035	अनुमानित मूल्य : 4764867.15
कार्य का विवरण : प्रयागराज मण्डल के छिंकी से मनौरी एवं नैनी से मानिकपुर खण्ड में ढाटालोंगर के अर्थ फाल्ट लॉजिक में डेटा विश्लेषण का उन्नयन एवं संवर्धन कार्य।	
धरोहर राशि : 95300/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00
कार्य समापन की अवधि : बारह माह	निविदा खुलने की तिथि : 20.01.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त वित्त सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये । बैंक गारंटी जमा करते समय यह 30प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये । बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी ।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक ।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2492/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।